राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,२१ मई २०२१ वर्ष-४, अंक -११७ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरविंद केजरीवाल के बयान से खफा सिंगापुर का बड़ा एक्शन, लागू किया फेक न्यूज कानून

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन को 'सिंगापुर वेरिएंट' बताने पर अरविंद केजरीवाल के बयान से ऐसा बवाल मचा कि भारत सरकार को सिंगापुर के सामने सफाई देनी पड़ी। अरविंद केजरीवाल के बयान पर विवाद के बाद भारत सरकार की सफाई से सिंगापुर ने बुधवार को संतोष तो जाहिर किया, मगर उसने गलत सूचना के प्रसार को रोकने लिए बड़ा कदम उठाया है। सिंगापुर सरकार ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ में एंटी मिसइनफॉर्ममेशन कानून यानी प्रोटेक्शन फ्रॉम ऑनलाइन फॉल्सहुड एंड मैनिपुलेशन कानून लागू कर दिया है। दरअसल, सिंगापुर में ऑनलाइन फैलाए जाने वाले झूठ को रोकने के लिए यह कानून है। यह गलत जानकारी को फैलने से रोकने के लिए बनाया गया है। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने POFMA दफ्तर को फेसबुक, ट्विटर और स्थानीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को सामान्य सुधार-संबंधी निर्देश जारी करने को कहा है। इसका मतलब है कि इस कानून के लागू होने के बाद अब फेसबुक, ट्विटर और हार्डवेयरजोनडॉटकॉम समेत सोशल मीडिया कंपनियों को सिंगापुर में सभी एंड-यूजर्स को एक करेक्शन नोटिस भेजना होगा। इसका मतलब है कि सिंगापुर में अरविंद केजरीवाल के बयान से संबंधित कोई भी सूचना नहीं दिखाई जाएगी। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय के बयान के मुताबिक, इसके तहत अब सोशल मीडिया कंपनियों को सिंगापुर वेरिएंट के संबंध में झूट को लेकर सभी एंड-यूजर्स को एक करेक्शन और स्पष्टिकरण देना होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को यह बताना होगा कि कोरोना का कोई सिंगापुर वैरिएंट नहीं है और न कि इसका कोई साक्ष्य है कि कोई कोरोना वेरिएंट बच्चों के लिए बेहद खतरनाक है। बता दें कि दिल्ली के सीएम ने मंगलवार को कहा था कि सिंगापुर में मिला नया स्ट्रेन भारत में तीसरी लहर का कारण बन सकता है, जो बच्चों को अधिक प्रभावित कर सकता है।

राजस्थान के पूर्व सीएम का निधन

जगन्नाथ पहाड़िया का 89 साल की उम्र में कोरोना से निधन; 13 महीने के कार्यकाल में प्रदेश में शराबबंदी लागू की थी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और बिहार-हरियाणा के राज्यपाल रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता जगन्नाथ पहाड़िया का बुधवार रात कोरोना से निधन हो गया। 89 साल के पहाड़िया ने गुड़गांव के अस्पताल में अंतिम सांस ली। दिल्ली के लोधी रोड स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार होगा। उनके निधन पर राजस्थान सरकार ने एक दिन के राजकीय शोक और सरकारी दफ्तरों में छुट्टी की घोषणा की है।

इस दौरान सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। आज दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाई गई। जिसमें पहाड़िया को श्रद्धांजलि दी गई।

पूरी तरह शराबबंदी लागू करने वाले पहले सीएम थे पहाड़िया

पहाड़िया 6 जून 1980 से 14 जुलाई 1981 तक सिर्फ 13 महीने ही राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे थे। लेकिन इस छोटे कार्यकाल में पहाड़िया ने प्रदेश में पूरी तरह शराबबंदी लागू की। वे 1957, 1967, 1971 और 1980 में सांसद और 1980, 1985, 1999 और 2003 में विधायक भी रहे।

पहाड़िया इंदिरा गांधी कैबिनेट में मंत्री भी रहे थे। उनके पास वित्त, उद्योग, श्रम, कृषि जैसे विभाग थे। वे 1989 से 1990 तक एक साल के लिए बिहार और 2009 से 2014 तक हरियाणा के राज्यपाल भी रहे थे।

पहाड़िया ने पंडित नेहरू को बेबाकी से कहा था- दलितों को ठीक से रिप्रजेंटेशन नहीं मिल रहा

जगन्नाथ पहाड़िया राजस्थान के एक मात्र दलित मुख्यमंत्री रहे हैं। उनसे पहले और उनके बाद कोई दलित नेता राजस्थान में सीएम नहीं बना। भरतपुर के भुसावर में एक दलित परिवार में पैदा

हुए पहाड़िया शुरू से ही बेबाक थे। उनकी बेबाकी ही उनके राजनीति में आने की वजह बनी।

बताया जाता है कि 1957 में उस वक्त के दिग्गज नेता मास्टर आदित्येंद्र, पहाड़िया को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से मिलवाने ले गए थे। उस वक्त पहाड़िया की उम्र सिर्फ 25 साल थी। पंडित नेहरू ने पहाड़िया से देश-प्रदेश के हालात के बारे में पूछा तो पहाड़िया ने बेबाकी से कहा था कि बाकी तो सब ठीक है लेकिन दलितों को रिप्रजेंटेशन ठीक से नहीं मिल रहा।

इस पर पंडित नेहरू ने पहाड़िया को चुनाव लड़ने के लिए कहा और पहाड़िया तुरंत तैयार भी हो गए। 1957 में देश के दूसरे आम चुनाव में पहाड़िया सवाई माधोपुर से सांसद का चुनाव जीते। इस तरह से पहाड़िया का चुनावी सफर शुरू हुआ था।

जगन्नाथ पहाड़िया संजय गांधी के काफी करीबी थे। उनके मुख्यमंत्री बनने की सबसे बड़ी वजह भी यही थी। पहाड़िया इंदिरा गांधी के भी नजदीकी थे। हालांकि संजय गांधी के ?निधन के बाद पहाड़िया का रुतबा कुछ कम हो गया, लेकिन वे 2008 तक सक्रिय राजनीति में रहे। इसके बाद एक दशक से ज्यादा वक्त तक वे कभी कभार पार्टी के बड़े कार्यक्रमों में ही दिखते थे।

महादेवी वर्मा की कविता पर टिप्पणी के बाद पहाड़िया को सीएम पद से हटाया था

1980 में पहाड़िया केवल 13 महीने मुख्यमंत्री रहे थे। उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने का किस्सा भी काफी रोचक है। जयपुर में लेखकों के एक सम्मेलन में सीएम के तौर पर पहाड़िया को बुलाया गया था। उस कार्यक्रम में छायावाद की कविताओं के लिए मशहूर कवयित्री महादेवी वर्मा भी मौजूद थीं।

पहाड़िया ने महादेवी वर्मा की कविताओं के बारे में कहा था, %महादेवी वर्मा की कविताएं मेरे कभी समझ नहीं आई कि वे क्या कहना चाहती हैं। उनकी कविताएं आम लोगों के सिर के ऊपर से निकल जाती हैं, मुझे भी कुछ समझ में नहीं आतीं। साहित्य आम आदमी को समझ आए ऐसा होना चाहिए।

बताया जाता है कि पहाड़िया की इस टिप्पणी के बारे में महादेवी वर्मा ने इंदिरा गांधी से शिकायत की थी और उसके बाद पहाड़िया को सीएम पद छोड़ना पड़ा था। कई राजनीतिक जानकारों का मानना है कि महादेवी वर्मा की कविताओं पर टिप्पणी तो बहाना था। उन्हें हटाने की असली वजह तो उनका विरोध होना था।

अब आप घर बैठे खुद ही कर सकेंगे कोरोना की जांच

250 रुपए की किट से 15 मिनट में ऐसे पाएं रिजल्ट

नई दिल्ली। कोराना की जांच अब घर पर भी की जा सकेगी। आईसीएमआर ने एक किट को मंजूरी दी है। इस किट के जरिये घर में ही नाक से कोरोना जांच के लिए सैंपल ले सकते हैं। आईसीएमआर ने कोरोना टेस्ट किट को लेकर नई एडवाइजरी भी दी है। इसके मुताबिक, अब आप घर पर ही 250 रुपए की कीमत वाले किट को खरीदकर 15 मिनट के भीतर कोविड रिजल्ट पा सकते हैं। इस किट में 5 से 7 मिनट में पॉजिटिव रिजल्ट का पता चल जाएगा और निगेटिव में यह 15 मिनट का समय लेगा। आईसीएमआर ने कहा कि होम टेस्टिंग सिर्फ सिम्प्टोमेटिक मरीजों के लिए है। यह उनके लिए भी है जो लोग लैब में कन्फर्म केस के सीधे संपर्क में आए हों। होम टेस्टिंग के लिए गूगल प्ले स्टोर और ऐपल स्टोर से मोबाइल ऐप डाउनलोड करना होगा। मोबाइल ऐप के जरिये पॉजिटिव और निगेटिव रिपोर्ट मिलेगी। जो लोग होम टेस्टिंग करेंगे उन्हें टेस्ट स्ट्रिप पिक्चर खींचनी होगी और उसी फोन से फोटो लेनी होगी जिस पर मोबाइल ऐप डाउनलोड होगा। मोबाइल फोन का डेटा सीधे आईसीएमआर के टेस्टिंग पोर्टल पर स्टोर हो जाएगा। लेकिन, मरीज की गोपनीयता बरकरार रहेगी। इस टेस्ट के जरिये जिनकी पॉजिटिव रिपोर्ट आएगी, उन्हें पॉजिटिव माना जाएगा। किसी दूसरे टेस्ट की जरूरत

नहीं पड़ेगी। जो लोग पॉजिटिव होंगे उन्हें होम आइसोलेशन को लेकर आईसीएमआर और स्वास्थ्य मंत्रालय की गाइडलाइन को मानना होगा। लक्षण वाले जिन मरीजों का रिजल्ट निगेटिव आएगा उनको आरटीपीसीआर करवाना होगा। होम आइसोलेशन टेस्टिंग किट के लिए माई लैब डिस्कवरी सल्यूशन लिमिटेड को ऑथराइज किया गया है। यह पुणे की कंपनी है। इस किट का नाम कोविसेल्फ है।

ऑक्सीजन के बाद अब अस्पतालों में गहराया खून का संकट, रक्तदान में भी कमी

दिल्ली। लोदी कॉलोनी निवासी 42 वर्षीय दिनेश नारायण इन दिनों लिवर की बीमारी से लड़ रहे हैं। अपोलो में भर्ती दिनेश को पांच यूनिट रक्त की आवश्यकता है। लेकिन उनके तीमारदार इसका इंतजाम नहीं कर पा रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि वे बाहर से रक्त नहीं लेंगे, दाता को वहां आकर ही रक्त दान करना होगा। लेकिन दिक्कत यह है कि ज्यादातर लोग अभी अस्पताल जाने के नाम से भी घबरा रहे हैं। वहीं वैक्सीन लेने के कारण भी रक्तदान न करना एक वजह है। दिनेश की तरह मैक्स पटपड़गंज में भर्ती लक्ष्मीनगर की सुनीता और सफदरजंग अस्पताल में भर्ती चार वर्षीय अहद को रक्त की जरूरत है। बुधवार तक इनके परिजन सोशल मीडिया पर रक्तदान की अपील करते रहे लेकिन उन्हे मदद नहीं मिल पाई।

राजधानी के दूसरे अस्पतालों में भी यही स्थिति है। यह जानकारी अमर उजाला की पड़ताल में सामने आई है। कोरोना महामारी के बीच एक और संकट पैदा होने लगा है कि सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों के ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में रक्त ही नहीं है। इस कारण लोगों को रक्त नहीं मिल पा रहा। इस कारण संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

नियमों की भिन्नता बनी मुसीबत

इस स्थिति का एक कारण नियमों में भिन्नता भी है। पहले कहा जा रहा था कि वैक्सीन लेने के तीन माह बाद ही रक्तदान किया जा सकता है लेकिन अब स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि 14 दिन बाद रक्तदान कर सकते हैं।

बी पॉजिटिव में भी दिक्कत-पड़ताल में एक बात और सामने आई है कि पहले बी पॉजिटिव ब्लड ग्रुप को लेकर अस्पतालों में आम तौर पर कोई समस्या नहीं होती थी लेकिन अब इस ग्रुप के लिए भी दिक्कत आ रही है। पड़ताल में पता चला है कि ज्यादातर अस्पतालों में इस ब्लड ग्रुप को लेकर भी कमी होने लगी है और इस करण भी मरीजों को रक्त नहीं मिल पा रहा है।

डॉक्टर ने मॉल में मास्क पहनने से किया इनकार, बताया 'बेवकूफी' भरा नियम

मेंगलुरु। देशभर में जारी कोरोना का कहर डॉक्टरों को भी नहीं बख्श रहा है। एक तरफ जहां डॉक्टर मरीजों को कोरोना से बचने के लिए हर संभव सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं तो वहीं, दूसरी तरफ कर्नाटक में एक ऐसे डॉक्टर पर केस दर्ज करना पड़ा है जिन्होंने मॉल में मास्क पहनने से इनकार कर दिया। मामला मेंगलुरु का है। इस पूरे मामले का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में डॉक्टर श्रीनिवास से एक अन्य ग्राहक मास्क पहनने के लिए निवेदन करता है लेकिन डॉक्टर उसे मना कर देते हैं। पूरा वाकया मेंगलुरु के एक मॉल के ग्रासरी शॉप का है। इसके बाद डॉक्टर काउंटर पर

बिलिंग के लिए जाते हैं और उसी वक्त स्टोर मैनेजर भी उनसे मास्क पहनने को कहते हैं। हालांकि, इस बार डॉक्टर मैनेजर के साथ बहस करने लगते हैं और मास्क पहनने को 'मूर्खता से भरा नियम' बताते हैं। इतना ही नहीं डॉक्टर को वीडियो में कहते सुना जा सकता है कि वह कोविड-19 से रिकवर कर चुके हैं और इसलिए वह अब किसी के लिए खतरा नहीं हैं। हालांकि, मैनेजर उन्हें तब भी यह याद दिलाता है कि मास्क पहनना अनिवार्य है। यह वाकया 18 मई का है। मेंगलुरु के कमिश्नर एन शशि कुमार के मुताबिक, 'मैनेजर की तरफ से मिली लिखित शिकायत के बाद महामारी ऐक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस फाइल कर लिया गया है।'

एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से पुख्ता होगी सड़कों की सुरक्षा, लगाएगा जाम का पता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों पर एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमसी) की मदद से देश की सड़क सुरक्षा को मजबूत करेगी। यह तकनीक ओवर स्पीड वाहनों पर ब्रेक लगाएगी और हादसों से राजमार्गों पर लगने वाले जाम का पता लगाएगी।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के सदस्य परियोजना आरके पांडेय ने रोड सेफ्टी मैनेजमेंट एंड एक्शन प्लान विषयक वेबिनार में ये बातें कही। इंटरनेशनल रोड फेडरेशन (आईआरएफ) की ओर से आयोजित इस समारोह को संबोधित करते हुए पांडेय ने कहा कि सरकार ने सभी नए राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में एटीएमसी लगाने का फैसला किया है। राजमार्गों पर एडवांस

तकनीक के सीसीटीवी कैमरे लगेंगे। प्रत्येक सेक्शन पर एक कंट्रोल रूम होंगे। जिससे सेक्शन पर यातायात की निगरानी हो सकेगी। एटीएमसी में स्पीड पता लगाने की तकनीक होगी। मौसम की जानकारी मोबाइल रेडियो कम्यूनिकेशन के माध्यम से सड़क यात्रियों को दी जा सकेगी। इसके अलावा ऑटोमैटिक क्लासिक कम काउंटर सिस्टम की मदद से प्रत्येक वाहनों के विवरण डाटा बेस होगा। सड़क हादसे अथवा किसी मुसीबत में सड़क यात्रियों की त्वरित मदद की जा सकेगी।

ब्लैक स्पॉट हटाने का काम जोरों पर-आरके पाडेय ने बताया कि सड़क सुरक्षा मजबूत करने की कड़ी में सभी राजमार्ग परियोजनाओं में फ्लाईओवर, अंडरपास, फुटओवर ब्रिज का प्रावधान किया जा रहा है। राजमार्गों का रोड सेफ्टी ऑडिट कराया जा रहा है। इसके तहत राजमार्गों के ब्लैक स्पॉट हटाए जा रहे हैं। वर्तमान में 4500 ब्लैक स्पॉट की पहचान हो चुकी है। इसमें एक हजार को ठीक करने का काम चल रहा है और पूर्व में 2500 ब्लैक स्पॉट को ठीक किया जा चुका है।

सड़क हादसे से सबसे ज्यादा मौतें भारत में

इंटरनेशनल रोड फेडरेशन, जिनेवा के अध्यक्ष केके कपिला ने कहा कि विश्व में सड़क हादसों में होने वाली मौतों में से 10 फीसदी अकेले भारत में होती हैं, जो कि विश्व में सर्वाधिक है। देश के दूसरे राज्यों में तमिलनाडु मॉडल को लागू करना चाहिए। राज्य सरकार ने सड़क हादसे और मौतों पर अंकुश लगाने में सफलता प्राप्त की है।

वैक्सीनेशन में नहीं लाई गई तेजी तो 6-8 महीने में आएगी कोरोना की तीसरी लहर, वैज्ञानिक की चेतावनी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर से भारत जूझ रहा है। कोरोना की दूसरी लहर में नए मामलों और रोजाना होने वाली मौतों के आंकड़ों ने दुनियाभर का रिकॉर्ड तोड़ दिया और अब कहा जा रहा है कि भारत में तीसरी लहर भी आएगी। आने वाली तीसरी लहर और भी अधिक विकराल हो सकती है। इस बीच कोविड-19 संक्रमण संबंधी अनुमान जताने के लिए गणित का इस्तेमाल करने वाले सूत्र मॉडल से जुड़े वैज्ञानिक एम विद्यासागर ने कहा कि यदि देश में टीकाकरण अभियान तेज नहीं किया गया और कोविड-19 से निपटने के लिए आवश्यक नियमों का पालन नहीं किया गया, तो आगामी छह से आठ महीने में कोविड की तीसरी लहर आने की आशंका है।

वैज्ञानिक विद्यासागर ने इसके साथ ही कहा कि सूत्र मॉडल में किसी तीसरी लहर की संभावना नहीं जताई गई हैं और इस पर काम किया जा रहा है। आईआईटी हैदराबाद के प्रोफेसर विद्यासागर ने कहा कि यदि एंटीबॉडी समाप्त हो जाती है, तो प्रतिरोधी क्षमता कम होने की आशंका है। ऐसे में टीकाकरण बढ़ाया जाना चाहिए और कोविड-19 को फैलने से रोकने में मददगार नियमों का पालन किया जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है, तो छह से आठ महीने में तीसरी लहर आने की आशंका है।

बता दें कि केंद्र सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के विजय राघवन ने पहले ही कहा है कि देश में कोरोना की तीसरी लहर भी

सूत्र मॉडल में किसी तीसरी लहर की संभावना नहीं जताई गई हैं और इस पर काम किया जा रहा है। आईआईटी हैदराबाद के प्रोफेसर विद्यासागर ने कहा कि यदि एंटीबॉडी समाप्त हो जाती है, तो प्रतिरोधी क्षमता कम होने की आशंका है। ऐसे में टीकाकरण बढ़ाया जाना चाहिए और कोविड-19 को फैलने से रोकने में मददगार नियमों का पालन किया जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है, तो छह से आठ महीने में तीसरी लहर आने की आशंका है।

आएगी। लेकिन यह नहीं पता कि यह कब आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना की दूसरी लहर इतनी भीषण और लंबी होगी, इसका अनुमान नहीं लगाया गया था।

के विजय राघवन ने कहा था कि वायरस के अधिक मात्रा में सर्कुलेशन हो रहा है और तीसरी लहर भी आएगी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि यह कब आएगी और किस स्तर की होगी। हमें नई लहरों के लिए तैयारी करनी चाहिए। वैज्ञानिक सलाहकार ने यह भी कहा कि वायरस के स्ट्रेन पहले स्ट्रेन की तरह की फैल रहे हैं। इनमें नई तरह के संक्रमण का गुण नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा वेरिएंट्स के खिलाफ वैक्सीन प्रभावी हैं। देश और दुनिया में नए वेरिएंट्स आएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि एक लहर के खत्म होने के बाद सावधानी में कमी आने से वायरस को फिर से फैलने का मौका मिलता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बयान पर विवाद

भयावह संकट के इस दौर में राजनेताओं से यह उम्मीद तो कर ही सकते हैं कि वे अपना ध्यान संकट से लोगों को उबारने में लगाएंगे और बेवजह के विवाद नहीं खड़े करेंगे। दिख यह रहा है कि ऐसे विवाद अब भी कम नहीं हो रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऐसा ही एक विवाद अपने बयान से खड़ा कर दिया है। उन्होंने बयान दिया कि कोरोना वायरस का सिंगापुर में आया नया रूप बच्चों के लिए बेहद खतरनाक बताया जा रहा है। भारत में यह तीसरी लहर के रूप में आ सकता है, इसलिए सिंगापुर से हवाई सेवाएं तुरंत रोकी जाएं और बच्चों के टीकाकरण की दिशा में तेजी से काम हो। इस बयान पर सिंगापुर सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया की और भारत के उच्चायुक्त को तलब कर अपना विरोध जताया। इस पर भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने जो कुछ कहा है, वह भारत का आधिकारिक पक्ष नहीं है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने केजरीवाल के खिलाफ बयान दिया, तो दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री का बचाव किया। चूंकि महामारी और इससे जुड़े कुछ पहलू मूलत- राजनीतिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक हैं, इसलिए इसी नजरिए से उन पर विचार करना जरूरी होगा। पहला मुद्दा यह है कि सिंगापुर में फिलहाल जो कोरोना मरीज मिल रहे हैं, उनमें वायरस का वही रूप देखने में आ रहा है, जो इन दिनों भारत में दिख रहा है। सिंगापुर में कोई नया रूप नहीं देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने जिस खबर को आधार बनाकर बयान दिया था, उसके मुताबिक सिंगापुर में पिछले दिनों कुछ बच्चों के संक्रमित हो जाने के बाद वहां स्कूल बंद कर दिए गए। सिंगापुर में अब भी संक्रमित मरीजों की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम है और ताजा लहर में भी तीस-चालीस लोगों के बीमार होने की खबर है, जिनमें बच्चे शायद चार-पांच हैं। वे सभी एक साथ किसी ट्यूशन में जाते थे। इन सभी बच्चों को मामूली लक्षण हैं। सिंगापुर में सरकार का मिजाज हमेशा से कुछ सख्त रहा है और कोरोना के खिलाफ भी उसने काफी सख्ती बरती है। शायद इसी मिजाज के चलते उसने स्कूल भी बंद किए और केजरीवाल के बयान पर भी सख्त प्रतिक्रिया दर्शाई। यह साफ है कि सिंगापुर से कोरोना वायरस के किसी नए खतरनाक रूप के आने और उससे बच्चों के प्रभावित होने की कोई आशंका नहीं है। अभी तक कोरोना वायरस का कोई ऐसा रूप देखने में नहीं आया है, जो विशेष रूप से बच्चों को संक्रमित करता हो या उनके लिए ज्यादा खतरनाक हो। ब्राजील में जरूर बड़ी तादाद में बच्चे संक्रमित हुए हैं और उनकी मौत भी हुई है, पर वैज्ञानिक इसकी वजह सरकारी लापरवाही ज्यादा मानते हैं। जहां तक भविष्य में बच्चों के ज्यादा प्रभावित होने की बात है, तो वह आशंका शायद सही हो सकती है, लेकिन उसकी वजहें दूसरी होंगी। ज्यादा बड़ी वजह यह हो सकती है कि फिलहाल वैक्सीनेशन ज्यादातर जगहों पर सिर्फ वयस्कों का हो रहा है। इस तरह वयस्क जब प्रतिरोधक शक्ति हासिल कर लेंगे, तो बच्चे ही बचेंगे, जिन्हें कोरोना हो सकता है। इसीलिए जहां वैक्सीनेशन कार्यक्रम अच्छा चल रहा है, वहां बच्चों को टीका लगाने की योजना पर काम शुरू हो चुका है। इसलिए राजनीतिक बयानबाजी और सनसनी अपनी जगह, बच्चों को कोरोना से बचाने के लिए सोचना शुरू कर देना चाहिए।

ताउते तूफानः विनाश की लीला

प्रमोद भार्गव

मौसम विभाग की सटीक भविष्यवाणी और आपदा प्रबंधन के समन्वित प्रयासों के बावजूद तूफान ताउते के तांडव से पांच राज्यों के करीब 25 लाख लोग प्रभावित हुए। भारी बारिश के चलते ज्यादातर नदियों ने अपने किनारे लांघकर 5,195 ग्रामों में विनाश की लीला रच दी। 18 हजार घर क्षतिग्रस्त हुए, 674 से ज्यादा सड़क मार्ग बाधित हुए, 79,429 बिजली के खंबे और 40,000 से अधिक पेड़ जमींदोज हो गए। सैंकड़ों लोगों के मारे जाने की खबर तो है ही अरब सागर में 190 किमी की रफ्तार से चली हवाओं के चलते चार जहाज समुद्र में फंस गए। जिनमें सवार ज्यादातर लोगों को वायु और नौ-सेना के आपदा राहत बचाव दलों ने बचा लिया। लेकिन काफी लोग अभी भी लापता हैं। केरल, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और गोवा की कई नदियां उफान पर हैं। राजस्थान राज्य को अपनी चपेट में लेता हुआ ताउते ठंडा पड़ गया। समुद्रतटीय रेल पटरियां पानी में डूब जाने के कारण अनेक रेलों को रद्द करना पड़ा। इस विनाशकारी चक्रवात का असर मध्य-प्रदेश, उत्तर-प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में भी देखा गया है। इन राज्यों में कई घंटे बारिश हुई है। यदि मौसम विभाग द्वारा सटीक भविष्यवाणी नहीं कि गई होती तो इस चक्रवात से और भी ज्यादा नुकसान हो सकता था। इसकी तेज रफ्तार से होने वाली हानि का अनुमान लगाकर एनडीआरफ की सौ टीमें समुद्र तटीय इलाकों में तैनात कर दी गई थीं। अरब सागर में मौजूद सभी मछुआरों को वापस बुला लिया था। बचाव व राहत कार्यों के लिए वायुसेना के 16 मालवाहक जहाज और 18 हेलिकॉप्टर्स तैनात थे। मौसम विभाग ने 16 से 19 मई के बीच 150 से 160 किलोमीटर औसत प्रतिघंटे की रफ्तार वाली हवाओं के इस तूफान 'ताउते' को 'अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान' होने की भविष्यवाणी कर दी थी। जो सच साबित हुई। इस परिप्रेक्ष्य में हमारी तमाम एजेंसियों ने आपदा से कुशलतापूर्वक सामना करके एक भरोसेमंद मिसाल पेश की है, जो सराहनीय व अनुकरणीय है। भारतीय मौसम विभाग के अनुमान अकसर सही साबित नहीं होते, इसलिए उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन फेलिन, हुदहुद, अम्फान और तितली चक्रवात से जुड़ी उसकी भविष्यवाणी सटीक बैठी है। इन अवसरों पर हमारे मौसम विज्ञानी सुपर कंप्युटर और डापलर राडार जैसी श्रेष्ठतम तकनीक के माध्यमों से चक्रवात के अनुमानित और वास्तविक रास्ते का मानचित्र एवं उसके भिन्न क्षेत्रों में प्रभाव के चित्र बनाने में भी सफल रहे हैं। तूफान की तीव्रता, हवा की गति और बारिश के अनुमान भी कमोबेश सही साबित हुए। इन अनुमानों को और कारगर बनाने की जरूरत है, जिससे बाढ़, सूखे, भूकंप और बवंडरों की पूर्व सूचनाएं मिल सकें और इनसे सामना किया जा सके। साथ ही मौसम विभाग को ऐसी निगरानी प्रणालियां भी विकसित करने की जरूरत है, जिनके मार्फत हर माह और हफ्ते में बरसात होने की राज्य व जिलेवार भविष्यवाणियां की जा सकें। यदि ऐसा मुमकिन हो पाता है तो कृषि का बेहतर नियोजन संभव हो सकेगा। साथ ही अतिवृष्टि या अनावृष्टि के संभावित परिणामों से कारगर ढंग से निपटा जा सकेगा। किसान भी बारिश के अनुपात में फसलें बोने लग जाएंगे। लिहाजा कम या ज्यादा बारिश का नुकसान उठाने से किसान मुक्त हो जाएंगे। मौसम संबंधी उपकरणों के गुणवत्ता व दूरंदेशी होने की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से समुद्रतटीय इलाकों में आबादी भी ज्यादा है और वे आजीविका के लिए समुद्री जीवों पर निर्भर हैं। लिहाजा समुद्री तूफानों का सबसे ज्यादा संकट इसी आबादी को झेलना पड़ता है। इस तूफान को ताउते या टाक्टे नाम म्यांमार ने दिया है। बर्मी भाषा के इस शब्द का अर्थ एक विशेष प्रकार की छिपकली होता है। प्रत्येक तूफान को अलग-अलग देश बारी-बारी से नाम देते हैं। 1999 में जब उड़ीसा में नीलम (फैलिन) तूफान आया था तो हजारों लोग सटीक भविष्यवाणी न होने और आपदा प्रबंधन की कमी के चलते मारे गए थे। 12 अक्टूबर 2013 को उष्णकटिबंधीय चक्रवात फैलिन ने ओडिशा तट पर दस्तक दी थी। अंडमान सागर में कम दबाव के क्षेत्र के रूप में उत्पन्न हुए फैलिन ने 9 अक्टूबर को उत्तरी अंडमान-निकोबार द्वीप समूह पार करते ही एक चक्रवाती तूफान का रूप ले लिया था। इसने सबसे ज्यादा नुकसान ओडिशा और आंध्र प्रदेश में किया था। इस चक्रवात की भीषणता को देखते हुए 6 लाख लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाएं गए थे। तूफान का केंद्र रहे गोपालपुर से तूफानी हवाएं 220 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरी थी। 2004 में आए सुनामी तूफान का असर सबसे ज्यादा इन्हीं इलाकों में देखा गया था। हालांकि हिंद महासागर से उठे इस तूफान से 14 देश प्रभावित हुए थे। तमिलनाडू में भी इसका असर देखने में आया था। इससे मरने वालों की संख्या करीब 2 लाख 30,000 थी। भारत के इतिहास में इसे एक बड़ी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाता है। 8 और 12 अक्टूबर 2014 में आंध्र एवं ओडिशा में हुदहुद तूफान में भी भयंकर कहर बरपाया था। इसकी दस्तक से इन दोनों राज्यों के लोग सहम गए थे। भारतीय नौसेना एनडीआरएफ ने करीब 4 लाख लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचाकर उनके प्राणों की रक्षा की थी। इसलिए इसकी चपेट से केवल छह लोगों की ही मौतें हुई। हालांकि आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा तबाही 1839 में आए कोरिंगा तूफान ने मचाई थी। गोदावरी जिले के कोरिंगा घाट पर समुद्र की 40 फीट ऊंचीं उठी लहरों ने करीब 3 लाख लोगों को निगल लिया था। समुद्र में खड़े 20,000 जहाज कहां विलीन हुए पता ही नहीं चला। 1789 में कोरिंगा से एक और समुद्री तूफान टकराया था, जिसमें लगभग 20,000 लोग मारे गए थे। कुदरत के रहस्यों की ज्यादातर जानकारी अभी अधूरी है। जाहिर है, चक्रवात जैसी आपदाओं को हम रोक नहीं सकते, लेकिन उनका सामना या उनके असर कम करने की दिशा में बहुत कुछ कर सकते हैं। भारत के तो तमाम इलाके वैसे भी बाढ़, सूखा, भूकंप और तूफानों के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित होते जा रहे पर्यावरण के कारण ये खतरे और इनकी आवृत्ति लगातार बढ़ रही है।

कहा भी जा रहा है कि फेलिन, ठाणे, आइला, आईरिन, नीलम और सैंडी जैसी आपदाएं प्रकृति की बजाय आधुनिक मनुष्य और उसकी प्रकृति विरोधी विकास नीति का पर्याय हैं। इस बाबत गौरतलब है कि 2005 में कैटरीना तूफान के समय अमेरिकी मौसम विभाग ने इस प्रकार के प्रलयंकारी समुद्री तूफान 2080 तक आने की आशंका जताई थी, लेकिन वह सैंडी और नीलम तूफानों के रूप में 2012 में ही आ धमके थे। 17 साल पहले ओड़िशा में सुनामी से फूटी तबाही के बाद पर्यावरणविदों ने यह तथ्य रेखांकित किया था कि अगर मैग्रोंव वन बचे रहते तो तबाही कम होती। ओड़िशा के तटवर्ती शहर जगतसिंहपुर में एक औद्योगिक परियोजना खड़ी करने के लिए एक लाख 70 हजार से भी ज्यादा मैंग्रोव वृक्ष काट डाले गए थे। दरअसल, जंगल एवं पहाड़ प्राणी जगत के लिए सुरक्षा कवच हैं, इनके विनाश को यदि नीतियों में बदलाव लाकर नहीं रोका गया तो तय है कि आपदाओं के सिलसिलों को भी रोक पाना मुश्किल होगा। लिहाजा नदियों के किनारे अवासीय बस्तियों पर रोक और समुद्र तटीय इलाकों में मैंग्रोव के जंगलों का संरक्षण जरूरी है। दरअसल कार्बन फैलाने वाली विकास नीतियों को बढ़ावा देने के कारण धरती के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। यही कारण है कि बीते 134 सालों में रिकार्ड किए गए तापमान के जो 13 सबसे गर्म वर्ष रहे हैं, वे वर्ष 2000 के बाद के ही हैं और आपदाओं की आवृत्ति भी इसी कालखण्ड में सबसे ज्यादा बढ़ी है। पिछले तीन दशकों में गर्म हवाओं का मिजाज तेजस्वी लपटों में बदला है। इसने धरती के 10 फीसदी हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। बताया जा रहा है कि वैश्विक तापवृद्धि के चलते समुद्री तल खौल रहा है। फ्लोरिडा से कनाडा तक फैली अटलांटिक की 800 किमी चैड़ी पट्टी में समुद्री तल का तापमान औसत से तीन डिग्री सेल्सियस अर्थात् 5.4 फारेनहाइट ज्यादा है। यही उर्जा जब सतह से उठ रही भाप के साथ मिलती है तो समुद्री तल में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव शुरू हो जाता है, जो चक्रवाती बंवडर को विकसित करता है। इस बवंडर के वायुमंडल में विलय होने के साथ ही, वायुमंडल की नमी 7 फीसदी बढ़ जाती है, जो तूफानी हवाओं को जन्म देती है। प्राकृतिक तत्वों की यही बेमेले रासायनिक क्रिया भारी बारिश का आधार बनती है, नतीजतन तबाही के परचम से धरती कांप उठती है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज के ट्वीट

संक्रमण

बीते कुछ समय से देश में एक्टिव केस कम होना शुरू हुए हैं। लेकिन आपने इन डेढ़ सालों में ये अनुभव किया है कि जब तक ये संक्रमण माइनर स्केल पर भी मौजूद है, तब तक चुनौती बनी रहती है:

--पीएम नरेंद्र मोदी

ज्ञान गंगा

रिश्ता

सद्गुरु

हम अपने जीवन में कदम-कदम पर कई तरह के रिश्ते बनाते रहते हैं, लेकिन हम हर रिश्ते को खबसूरत नहीं बना पाते। आखिर क्या करें उन्हें खूबसूरत बनाने के लिए? जीवन में आप कई तरह के रिश्ते बनाते व निभाते हैं। पड़ोसी, दोस्त, पत्नी, पति, बच्चे, माता-पिता, बहन-भाई, प्रेमी और एक-दूसरे से नफरत करने वाले भी होते हैं, ये सब रिश्ते हैं। मूल रूप से, आपके जीवन में ये सभी रिश्ते इसलिए हैं क्योंकि आपको कुछ जरूरतें पूरी करनी हैं-शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक, आर्थिक आदि। आप अपनी जरूरत के अनुसार एक निश्चित संबंध बनाने की कोशिश करते हैं। अगर वह जरूरत पूरी नहीं होती, तो वह संबंध भी नहीं बन सकता।एक ऐसे अनुभव के साथ जीने का तरीका भी मौजूद है, जिसमें आप रिश्तों के बिना भी जी सकते हैं। एक व्यक्ति भीतर से इतना पूरा हो कि उसे दूसरे के होने या न होने से अंतर न पड़े। पर इस समय ज्यादातर लोगों के लिए उनके संबंधों की गुणवत्ता ही उनके जीवन की गुणवत्ता को तय करती है। इसलिए यह देखना जरूरी है कि कहीं भी, कभी भी हम अपने रिश्तों को खूबसूरत कैसे बना सकते हैं। आप बात को इस तरह से समझें-कि आप कई तरह के रिश्ते जोड़कर खुद को खुश करना चाह रहे हैं। आप दोस्त बनाते हैं, आप विवाह करते हैं, संतान पैदा करते हैं, आप कारोबार शुरू करते हैं-क्योंकि आपको लगता है कि कहीं-न-कहीं ऐसा करने से आपको खुशी मिलेगी। आपने खुशी पाने की चाह में ही ये सारे रिश्ते जोड़े हैं।दूसरे शब्दों में, आप दूसरे लोगों से अपने लिए खुशी निचोड़ना चाहते हैं। जब आप ऐसा करने लगते हैं तो आपके रिश्ते हमेशा के लिए समस्या बन जाते हैं। आप उसके बिना रह नहीं सकते, और आप उसके साथ भी नहीं रह सकते। आपके भीतर खुशी का भाव ही नहीं है, और आप इसे दूसरे से पाना चाह रहे हैं और वह इंसान इसे आपसे पाना चाह रहा है। तब तो यह पक्के तौर पर एक जंग बन जाएगी। अगर संबंध को सही मायने में सुंदर बनाना है तो यह जरूरी हो जाता है कि इंसान किसी दूसरे को देखने से पहले, अपने भीतर देखे। अगर आप खुद ही आनंद का सोत होंगे और आपका संबंध भी उस आनंद को बांटने के लिए होगा, न कि किसी से आनंद निचोड़ने के बारे में-तब दूसरों के साथ आपके संबंध अद्भुत होंगे।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

कोरोना की जंग में दो करोड़ से अधिक लोगों की जीत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

कोरोना की दूसरी लहर की पीक के समाचारों के बीच एक यह सुखद खबर है कि देश में दो करोड़ से अधिक कोरोना संक्रमित देशवासी इसे मात देने में सफल रहे हैं। अमेरिका के बाद दुनिया के देशों में यह सबसे अधिक है। संक्रमण दर में हम दूसरे नंबर पर चल रहे हैं तो मौत के मामले में अमेरिका और ब्राजील के बाद तीसरे नंबर पर हैं। दो करोड़ से ज्यादा ने इस महामारी की जंग जीती है तो करीब पौने तीन लाख लोगों ने दम भी तोड़ा है। पर आज आवश्यकता मौत के आंकड़ों के स्थान पर ठीक होने वालों के समाचारों की है, ताकि सकारात्मक माहौल बन सके। कोरोना महामारी की भयावहता को हम नकार नहीं सकते। पर लोगों को दहशत में जीने से तो हम बचा सकते हैं। देश दुनिया में नंबरों का यह खेल किसी भी तरह से तुलनीय नहीं हो सकता क्योंकि दुनिया के किसी भी देश में कोरोना के कारण ही नहीं अपितु किसी भी कारण से एक भी व्यक्ति की मौत होती है तो वह अपने आपमें गंभीर चिंतनीय है। हालांकि यह आंकड़े बेहद चिंतनीय होने के साथ ही कोरोना की दूसरी लहर की गंभीरता को चेता रहे हैं। लाख मारामारी के बावजूद वैक्सीनेशन की स्थिति में भी सुधार हो रहा है। आक्सीजन की उपलब्धता बड़ी है। हालातों में लगातार सुधार हो रहा है। लोगों में आत्मविश्वास जगने लगा है। पिछले दिनों देश में जिस तरह से आक्सीजन की मारामारी हुई और आक्सीजन सिलेण्डरों की अनुपलब्धता के कारण तड़पती हुई मौतों से साक्षात्कार हुआ, उस स्थिति में सुधार आने लगा है। अब यदि सबसे अधिक आवश्यकता देश में कमियों को उजागर करने, नकारात्मकता को दिखाने के वक्तव्यों या समाचारों के स्थान पर देश में हिम्मत और सकारात्मकता का संदेश देने की है। आज आवश्यकता चिकित्सकों, दवाओं,आवश्यक उपकरणों के साथ ही बल्कि लगभग इनके बराबर ही मनोविज्ञानियों की है जो संक्रमण से जूझ रहे या संक्रमण के डर से भयभीत लोगों में आशा का संचार पैदा कर सकें। समस्या संक्रमित व्यक्ति की ही नहीं है अपितु कोरोना के कारण जो परिवार प्रभावित हुआ है चाहे वह परिवार कोरोना को हराने में सफल रहा हो या कोरोना की जंग में हारा हो पर आज सबसे अधिक उस परिवार को मनोवैज्ञानिक सहारे की है तो दूसरी और लोगों को कोरोना से डराने की नहीं बल्कि उससे लड़ने की, हेल्थ प्रोटोकाल की पालना करने के लिए प्रेरित करने की है। हो क्या रहा है कि टीवी चैनलों पर व मीडिया के अन्य माध्यमों पर जिंदगी हारते लोगों की तस्वीरें प्रशासन की नाकामियों को उजागर करते समाचार प्राथमिकता से दिखाए जा रहे हैं, उससे मानवता का कोई भला नहीं होने वाला नहीं है। हद तो सोशल मीडिया खासतौर से वाट्सएप के तथाकथित ज्ञानियों ने कर दी है जो या तो दिनभर ज्ञान फैलाते रहते हैं या फिर नकारात्मक तस्वीरों से दहशत का माहौल बना रहे हैं। आज आवश्यकता कमियां निकालने या अभावों का दुखड़ा रोने की नहीं अपितु जो है उसे ही बेहतर करने की हो गई है। कहीं कोई कमी है तो उसे सही प्लेटफार्म पर उजागर करें और वह भी उसके निराकरण के सुझाव के साथ तो उससे इस महामारी की भयावह स्थिति से हम अधिक ताकत के साथ लड़ सकेंगे। हालांकि मानवता के दुश्मनों ने अपनी करनी से कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। कोई अस्पतालों में बेड उपलब्ध कराने की बोली लगा रहा था तो कोई जीवनरक्षक दवाओं की कालाबाजारी में लिप्त था। कोई आवश्यक उपकरणों यहां तक कि थर्मामीटर, आक्सीमीटर मनचाहे दामों में बेचने में लगे हैं तो कुछ दवाओं का स्टाक कर बाजार में कृत्रिम अभाव पैदा करने में लगे हैं। यहां तक कि हालात इस तरह के बना दिए कि लोगों में भय अधिक व्याप्त हो गया। आखिर देश में इस तरह के गिद्धों की जमात ने नोचने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। मानवता को शर्मसार करने में कोई कमी नहीं छोड़ी। मानवता के यह गिद्ध हमारे इर्द-गिर्द ही मंडरा रहे हैं। हमारा भी फर्ज हो जाता है कि इस तरह के मानवता के दुश्मनों को सार्वजनिक करें और प्रशासन को सहयोग कर ऐसे लोगों को सामने लाएं। ऐसे लोग व्यवस्था को बिगाड़ने और लोगों में दहसत पैदा करने में कामयाब हो जाते हैं और उसका खामियाजा समूचे समाज को भुगतना पड़ता है। पिछले दिनों देशभर में जिस तरह से आक्सीजन की कमी कारण लोगों के मरने के समाचारों और बेड नहीं होने के समाचारों को प्रमुखता दी गई उससे देशभर में भय का माहौल बना। लोग घबराने लगे और इसी का परिणाम रहा कि देशभर में मारामारी वाले हालात बने। यह सही है कि प्रशासन की कमियों को उजागर किया जाए पर उसमें संयम बरतना आज की आवश्यकता ज्यादा हो जाती है। आज कमियां गिनाने का समय नहीं है। सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही है। समझना होगा कि एक साल से भी अधिक समय से कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। प्रवासी मजदूरों व असंगठित मजदूरों के सामने दो रोटी का संकट आ रहा है तो स्थाई रोजगार वालों के भी वेतन में कटौती हो रही है तो छंटनी का डर सता रहा है। सरकार चाहे केन्द्र की हो या राज्यों की संसाधनों की सीमाएं सब जानते हैं। यह भी सही है कि पैनिक करने से समाधान भी नहीं हो सकता। ऐसे में यदि सरकार को अलग फोरम पर सुझाव तो मीडिया में सकारात्मकता का संदेश दिया जाए तो इस संकट से देशवासी जल्दी ही उभरने की स्थिति में होंगे। अच्छा लगा जब यह जानकारी सामने आई की देश में दो करोड़ से ज्यादा लोगों ने कोरोना के खिलाफ जंग जीती है। कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा जो चार लाख को छूने लगा था वह अब करीब ढाई लाख पर आया है तो ठीक होने का आंकड़ा चार लाख प्रतिदिन को पार कर रहा है। रिकवरी रेट में लगातार सुधार हो रहा है। हालांकि देश में करीब 35 लाख संक्रमित लोग हैं जो कोरोना की जंग जीतने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसलिए आज आवश्यकता संक्रमितों को बचाने के साथ ही लोगों में विश्वास पैदा करने की है। लोगों से यह डर निकालना होगा कि अस्पताल गए तो वहां देखने वाला कोई नहीं हैं, कभी भी आक्सीजन की कमी हो सकती है या दवाओं के लिए भटकना पड़ सकता है। गैर सरकारी संगठन यदि सहयोगी की भूमिका में आगे आते हैं तो हालातों को जल्दी ही सुधारा जा सकता है। कोरोना के पहले दौर में जिस तरह से भयमुक्त वातावरण बनाकर लोगों को बचाया गया वैसा ही प्रयास किया जाता है तो दूसर लहर से भी निपटना आसान हो जाएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

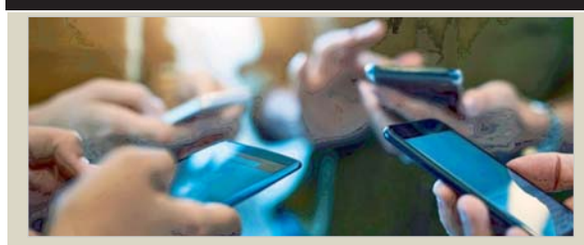

इलेक्ट्रॉनिक और स्मार्टफोन कंपनियों ने बंद किया उत्पादन

नई दिल्ली। देश की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक और स्मार्टफोन कंपनियों ने घरेलू बाजार के लिए उत्पादन बंद कर दिया है। देश में कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर चल रही है और इसे प्रकोप को रोकने के लिए कई राज्यों में स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लगाया गया है। साथ ही गैर-जरूरी सामान की ऑनलाइन बिक्री पर भी पाबंदी लगाई गई है। इससे देश में इलेक्ट्रॉनिक सामान और स्मार्टफोन की बिक्री लगभग ठप हो गई है। कई कंपनियों के प्लांट में काम करने वाले कर्मचारी भी कोरोना की चपेट में हैं। एलजी, पैनासोनिक, कैरियर मीडिया, वीवो, ओप्पो, हायर और गोदरेज अप्लायंसेज जैसी कई कंपनियों ने अपने सभी प्लांट बंद कर दिए हैं या उत्पादन में भारी कमी की है। एपल और सैमसंग जैसी कंपनियां केवल वै श्विक बाजार के लिए उत्पादन कर रही हैं। ये कंपनियां केवल 25 से 40 फीसदी क्षमता के साथ काम कर रही हैं। सैमसंग के प्लांट्स हफ्ते में तीन दिन बंद हैं। बाकी दिनों में भी सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों के साथ बहुत कम उत्पादन हो रहा है। एलजी भी केवल निर्यात के लिए ही उत्पादन कर रही है। गोदरेज अप्लायंसेज ने कहा कि लोकल लॉकडाउन और पाबंदियों के कारण अभी केवल 15 फीसदी बाजार ही खुले हुए हैं लेकिन सीमित स्टोर टाइमिंग को देखते हुए केवल 5 से 6 फीसदी बिक्री हो रही है। लगभग सभी ब्रांड्स ने अपने प्लांट्स मेनटेनेंस के लिए बंद किए हैं।

महंगें दामों पर अपने प्रोडक्ट्स बेच रहीं ऑनलाइन कंपनियां

मुंबई। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण लोग अधिक प्रोडक्ट्स को ऑनलाइन ही मंगाने लगे हैं इसी के चलते ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स ज्यादा तर सामान को एमआरपी पर ही बेचने लग गई हैं। यह जानकारी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की एक रिसर्च रिपोर्ट से सामने आई है। हाल ही में थोक महंगाई दर के आंकड़े आए हैं और उस पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एक रिसर्च नोट तैयार किया है। एसबीआई ने इस रिसर्च रिपोर्ट में बताया है कि जैसे ही मांग बढ़ी वैसे ही ग्रोफर्स, नेचर्स बॉस्केटद्व लीशियस जैसे ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफार्म ने कोरोना वायरस के इस संकट के दौर में भी अपनी चीजों के भाव बढ़ा दिए। कोरोना संकट के दौरान मांग बढ़ गई और अब तो इन शॉपिंग साइट्स के दाम आपके घर के पास वाली दुकान जितने ही हो गए हैं। एसबीआई के रिसर्च नोट में कहा गया है कि ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने कोरोना संक्रमण के इस दौर में जरूरी चीजों के भाव बढ़ा दिए हैं। इन प्लेटफार्म पर सामान बेचने वाले अधिकतर रिटेलर फिजिकल स्टोर की तुलना में अधिक कीमत ले रहे हैं।

व्हाट्सऐप में आया नया अपडेट, चैटिंग करना होगा और भी मज़ेदार

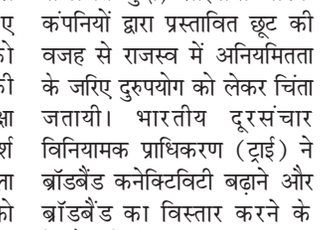

नई दिल्ली । व्हाट्सऐप अपने प्लेटफॉर्म पर लगातार नए-नए फीचर जोड़ रहा है। इस हफ्ते की शुरुआत में रिपोर्ट्स में बताया गया था कि कंपनी ने अपने प्लेटफॉर्म पर न्यू आर्काइव फीचर को रोल आउट करना शुरू कर दिया है। अब एक नई रिपोर्ट मैसेजिंग ऐप में आने वाले और अधिक फीचर्स के बारे में बताती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने अपने यूजर्स के लिए एक नया स्प्लैश स्क्रीन फीचर रोल आउट करना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट है कि अपने एंड्रॉयड और आईओएस-आधारित ऐप पर लाइट और डार्क स्प्लैश स्क्रीन फीचर पेश करने के एक साल बाद, अब कंपनी ने इस सुविधा को व्हाट्सऐप वेब और डेस्कटॉप यूजर्स के लिए रोल आउट करना शुरू कर दिया है। यह नया फीचर व्हाट्सऐप वेब वर्जन के 2.2119.6 अपडेट के हिस्से के रूप में उपलब्ध कराया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाट्सऐप का लोगो वाइट बैकग्राउंड के साथ दिखेगा जब यूजर पहली बार वॉट्सऐप खोलेंगे। इसके अलावा कंपनी ने अपने प्लेटफॉर्म पर एक नया स्टिकर पैक भी उतारा है। नए स्टिकर पैक को 'शेयर एशियन लव' कहा गया है। इस स्टीकर पैक का वजन 1.8 एमबी है। यह कंपनी के एंड्रॉयड और आईओएस ऐप में डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

कोरोना काल में भी बढ़ी TCS के CEO की सैलरी, हुआ 7 करोड़ का इजाफा

(एजेंसी):

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक राजेश गोपीनाथ को वर्ष 2020-21 में 20.36 करोड़ रुपए वेतन पैकेज के रूप में प्राप्त हुए। कंपनी की सलाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इससे एक साल पहले 2019-20 में गोपीनाथ को कुल 13.3 करोड़ रुपए वेतन मिला था। टीसीएस की 2020-21 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार गोपीनाथ को वेतन के रूप में 1.27 करोड़ रुपए, 2.09 करोड़ रुपए भत्ते, सुविधाएं आदि के रूप में मिले, जबकि 17 करोड़ रुपए उन्हें कमीशन के रूप में मिला। टीसीएस के मुख्य परिचालन अधिकारी एन गणपति सुब्रमणियम को पिछले वित्त वर्ष में 16.1 करोड़ रुपए वेतन पैकेज के तौर पर प्राप्त हुआ। इसमें 1.21 करोड़ रुपए वेतन, 1.88 करोड़ रुपए भत्ते और अन्य लाभ तथा 13 करोड़ रुपए कमीशन के रूप में प्राप्त हुआ। रिपोर्ट के अनुसार प्रबंधन वर्ग के पारितोषिक में पिछले वित्त वर्ष के दौरान 55.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसमें कहा गया है, ''वित्त वर्ष 2020-21 में प्रबंधन को दिया गए वेतन की 2019-20 के वेतन से तुलना नहीं की जा सकती है। कोविड-19 महामारी की वजह से आर्थिक स्थिति पर पड़े प्रभाव के कारण 2019-20 में पारितोषिक में 15 प्रतिशत की कमी आई थी।'' रिपोर्ट के अनुसार भारत में कर्मचारियों के वेतन में औसतन सालाना 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, पदोन्नति और अन्य क्षतिपूर्ति के आधार पर कुल वृद्धि 6.4 प्रतिशत रही। वहीं भारत से बाहर काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन में 2 से 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2020-21 के अंत में टीसीएस के स्थायी कर्मचारियों की संख्या 4,48,649 थी। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी की सालाना आम बैठक 'ऑनलाइन' 10 जून, 2021 को होगी।

एक साल में इस कंपनी ने शेयरधारकों को किया मालामाल, सात गुना हुआ पैसा!

बिजनेस डेस्क। प्राज इंडस्ट्रीज़ (Praj Industries) ने अपने शेयरधारकों को एक साल में मालामाल कर दिया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक साल में इसने 600 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है, यानी एक साल में शेयरधारकों का पैसा सात गुना हो गया है। प्राज इंडस्ट्रीज़ का शेयर 19, मई 2020 को पिछले साल 53.95 रुपए पर बंद हुआ था। बुधवार यानी 19 मई 2021 को यह शेयर 398 रुपए की ऊंचाई तक पहुंच गया, हालांकि कारोबार के अंत में यह 387.65 रुपए पर बंद हुआ है। 13 महीनों में इस शेयर ने 600 फीसदी से ज्यादा की रिटर्न दी है। जिस व्यक्ति ने 19, मई 2020 को इस शेयर में 1 लाख रुपए लगाए होंगे, बुधवार को उसकी पूंजी बढ़कर सात लाख रुपए से ज्यादा की हो गई होगी।

जानें प्राज इंडस्ट्रीज़ के बारे में...

प्राज इंडस्ट्रीज़ एथेनॉल ब्लेंडिंग इक्विपमेंट सेक्टर की एक हाईटेक टेक्नोलॉजी सेवी कंपनी है। प्राज इंडस्ट्रीज़ के पास इस समय भी 650 करोड़ रुपए के मजबूत ऑर्डर बुक हैं। यह सीबीजी (कॉम्प्रेस्ड बायोगैस) स्पेस में प्रवेश कर रही है जिसकी कारोबारी संभावनाएं बहुत अच्छी हैं।

कोरोना काल में टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो ने दी ग्राहकों को राहत, बढ़ाई मुफ्त सर्विस की अवधि

(एजेंसी):

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बीच टाटा मोटर्स ने बुधवार को कहा कि उसने अपने सभी कमर्शियल वाहनों की वारंटी और फ्री सर्विस की अवधि एक महीने बढ़ा दी है। कंपनी ने कहा कि कई राज्यों द्वारा कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण यह फैसला किया गया है। कंपनी ने कहा कि 1 अप्रैल से 30 जून के बीच खत्म होने वाली वाहनों की वारंटी और मुफ्त सर्विस की अवधि एक महीने बढ़ा दी गई है। टाटा मोटर्स ने कहा कि वह अपने कस्टमर्स, चैनल पार्टनर्स और पूरी कम्युनिटी की सेफ्टी और हेल्थ को प्राथमिकता देती है। इस कठिन समय में कंपनी अपने उपभोक्ताओं को सुविधाजनक आफ्टर सेल अनुभव देने के लिए कृतसंकल्प है। कंपनी ने 1 अप्रैल से 30 जून के दौरान खत्म हो रहे टाटा सुरक्षा एएमसी की वैलिडिटी एक महीने के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। कस्टमर्स के सपोर्ट के लिए कंपनी ने एक हेल्पलाइन भी शुरू की है। इसके लिए कंपनी के ग्राहक 1800 209 7979 पर कॉल कर सकते हैं।

बजाज ऑटो ने भी बढ़ाई मुफ्त सर्विस की अवधि

इस बीच बजाज ऑटो ने भी पूरे देश में अपने सभी मॉडलों की मुफ्त सर्विस अवधि 31 जुलाई तक बढ़ा दी है। बजाज ऑटो ने कई राज्यों द्वारा कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर को रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर लागू किए गए लॉकडाउन के कारण यह फैसला किया। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एक अप्रैल से 31 मई के बीच खत्म होने वाली वाहनों की मुफ्त सर्विस अवधि अब 31 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। बढ़ी हुई मुफ्त सर्विस अवधि सभी दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों पर लागू है।

मुनाफावसूली से टूटा शेयर बाजार, सेंसेक्स 50000 और निफ्टी 15000 के नीचे बंद

एजेंसी,नई दिल्ली

शेयर बाजार में आज दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। चौतरफा बिकवाली की वजह से सेंसेक्स 338 अंक यानी 0.68त्न की गिरावट के साथ 49,565 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में सेंसेक्स से ज्यादा गिरावट रही जो 0.83त्न यानी 124.10 अंक फिसलकर 14,906.05 के स्तर पर आ गया। इस दौरान सबसे ज्यादा मेटल शेयर पिटे। निफ्टी मिड कैप में 0.1त्न जबकि स्मॉल कैप में लगभग 0.2त्न की कमजोरी रही। निफ्टी टॉप गेनर की लिस्ट में **CIPLA, M&M,** बीपीसीएल, इंडसइंड बैंक, टाइटन के स्टॉक रहे तो लूजर में टाटा स्टील, हिंडाल्को, कोलइंडिया, ब्रिटानिया, ओएनजीसी रहे। वहीं सेक्टोरल इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी मेटल में आई जो 3.11% टूट गया। निफ्टी बैंक (-1.04%), फाइनेंशियल सर्विसेज(-9.3%), एनर्जी (-0.79%), एफएमसीजी (-0.62%), आईटी (-0.34%), मीडिया (-0.27%), फार्मा (-0.22%), ऑटो (-0.13%) में भी गिरावट आई। सिर्फ दो सेक्टर इंडेक्स- निफ्टी रियल्टी (1.02%) सरकारी बैंक (0.36%) ही बढ़त के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स के दिग्गज शेयरों का हाल

सेंसेक्स में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक की अगुवाई में यह गिरावट आयी। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में ओएनजीसी रही। इसमें करीब 3 प्रतिशत की गिरावट आयी। इसके अलावा सन फार्मा, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और कोटक बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, टाइटन, एल एंड टी और बजाज फिनसर्व समेत अन्य शेयर लाभ में रहे।

गिरावट की यह रही वजह

रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी के अनुसार घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन कमजोरी रही। इसका कारण वित्तीय, दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली कंपनियों और धातु कंपनियों के शेयरों पर बिकवाली दबाव रहा। उन्होंने कहा, इसके अलावा वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख का भी घरेलू बाजार पर असर पड़ा। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) बैठक का ब्योरा आने के बाद निवेशकों के बीच कुछ आशंका बढ़ी है। इससे भी धारणा पर असर पड़ा है। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग और सोल में गिरावट रही जबकि जापान में निक्की बढ़त में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.15 प्रतिशत मजबूत होकर 66.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

दूरसंचार विभाग ने आगाह किया फिक्स्ड ब्रॉडबैंड लाइसेंस फीस छूट का दुरुपयोग कर सकती हैं कंपनियां

नयी दिल्ली (एजेंसी),

दूरसंचार विनियामक ट्राई ने बुधवार को देश भर में डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए फिक्स्ड ब्रॉडबैंड सेवाओं को लाइसेंस फीस से छूट देने की अपनी सलाह की फिर से समीक्षा करने की खातिर विचार विमर्श शुरू कर दिया। ट्राई ने यह फैसला दूरसंचार विभाग द्वारा 12 मार्च को इस बात को लेकर जतायी गयी चिंता के बाद उठाया कि दूरसंचार सेवा प्रदाता छूट का दुरुपयोग कर सकते हैं। ट्राई ने एक बयान में कहा, दूरसंचार विभाग ने फिक्स्ड लाइन ब्रॉडबैंड से कमाए गए राजस्व पर लाइसेंस फीस में छूट जैसे कुछ नये मुद्दे उठाए। उसने मौजूदा तथ्यात्मक संरचना और संबंधित मुद्दों, लाइसेंस धारक कंपनियों द्वारा प्रस्तावित छूट की वजह से राजस्व में अनियमितता के जरिए दुरुपयोग को लेकर चिंता जतायी। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी बढ़ाने और ब्रॉडबैंड का विस्तार करने के रोडमैप को लेकर एक पूरक विचार विमर्श पत्र जारी किया। विनियामक ने कहा कि दूरसंचार विभाग द्वारा जतायी गयी चिंता को लेकर अप्रैल 2015 में तेजी से ब्रॉडबैंड सेवा पहुंचानाः हमें क्या करने की जरूरत है विषय पर जारी किए गए परिचर्चा पत्र में हितधारकों के साथ खुलकर विचार विमर्श नहीं किया गया था। अगस्त 2020 में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने और ब्रॉडबैंड गति बढ़ाने का रोडमैप विषय पर जारी किए गए प्रपत्र में इस पर विचार विमर्श किया गया था। ट्राई ने 2015 में यह सिफारिश की थी कि फिक्स्ड लाइन ब्राडबैंड पर कमाई जाने वाले राजस्व पर लाइसेंस फीस से कम से कम पांच साल के लिये छूट दी जानी चाहिये विनियामक ने 5जी सेवाएं शुरू करने को लेकर भी सिफारिश की है। हालांकि पूरक पत्र में उसने 5जी नेटवर्क शुरू करने के लिए स्ट्रीट फर्नीचर के इस्तेमाल को लेकर राय मांगी है। ट्राई ने विचार विमर्श पत्र को लेकर तीन जून तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने का कहा है और जवाबी प्रतिक्रियाओं के लिए 10 जून की समय सीमा तय की है।

सेबी ने बाजार नियमों का उल्लंघन करने पर बायोकॉन पर लगाया 14 लाख रुपये का जुर्माना

नयी दिल्ली (एजेंसी),

बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को बायोकॉन लि. और उसके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति पर बाजार नियमों का उल्लंघन करने के मामले में 14 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनी द्वारा नामित व्यक्ति, नरेंद्र चिरमुले पर पांच लाख का जुर्माना लगाया गया हैं। वह कंपनी में अनुसंधान और विकास विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

कारोबार बंद रखे जाने के बावजूद कंपनी के शेयरों में सौदे करने के कारण चिरमुले पर जुर्माना लगाया गया। चिरमुले ने ऐसा कर भेदिया कारोबार निषेध (पीआईटी) नियमों का उल्लंघन किया। सेबी ने विस्तृत जांच में पाया कि 31 दिसंबर 2018 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी के वित्तीय परिणामों की घोषणा को देखते हुये अनुपालन अधिकारी ने एक से 26 जनवरी 2019 तक तक कारोबार को बंद रखा था। कंपनी के ये तिमाही परिणाम 24 जनवरी 2019 को घोषित किये गये।

बाजार के नियमों के अनुसार किसी भी कंपनी के प्रवर्तक, प्रवर्तक समूह के सदस्य,नामित व्यक्ति, निदेशक को दस लाख रुपये से अधिक का शेयर सौदा करने और उसकी जानकारी मिलने के दो दिन के भीतर शेयर बाजार को सूचना देनी होती है। लेकिन बायोकॉन ने बाजार को यह जानकारी हालांकि 262 दिन के बाद दी, इसके साथ ही बाजार नियमों के मुताबिक आचार संहिता का उल्लंघन करने की जानकारी नियामक को तुरंत दी जानी चाहिये। बायोकोन ने इस बारे में सेबी को 28 दिन के बाद जानकारी दी।

कोरोना की दूसरी लहर का असरः हवाई यात्रियों की संख्या 40 हजार से आई नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी):

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण हवाई यात्रियों की संख्या मंगलवार को घटकर 40 हजार से नीचे आ गई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आज जारी आंकड़ों के अनुसार, 18 मई को घरेलू मार्गों पर 641 उड़ानों में 39,370 यात्री रवाना हुए। इससे पहले अप्रैल में हर दिन औसतन 1.91 लाख के करीब यात्रियों ने सफर किया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आंकड़ों के अनुसार, इस साल मार्च के मुकाबले अप्रैल में घरेलू मार्गों पर यात्रियों की संख्या 26.81 प्रतिशत घटकर 57.25 लाख रही गई। यह आंकड़ा अक्टूबर 2020 के बाद सबसे कम है। इस साल मार्च में 78.22 लाख लोगों ने हवाई यात्रा की थी। मई में इस संख्या में और तेजी से आ रही गिरावट के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यात्रियों और उड़ानों के दैनिक आंकड़े जारी करना बंद कर दिया था। उसकी बेबसाइट पर अंतिम आंकड़े 14 मई के उपलब्ध थे जो 15 मई को जारी किए गए थे जब एक दिन में 825 उड़ानों में 54,181 यात्री सवार हुए थे।

आंकड़े छुपाने की बात जब आज सुबह मीडिया में आई तो मंत्रालय ने 18 मई के आंकड़े वेबसाइट पर अपडेट किए जिससे पता चलता है कि यात्रियों की संख्या तेजी से घट रही है। मात्र चार दिन में उड़ानों की संख्या 825 से घटकर 641 और यात्रियों की संख्या 54 हजार से घटकर 39 हजार रह गई है।

टैक्सपेयर्स के लिए अब रिफंड आवेदन वापस लेने का विकल्प

एजेंसी,नई दिल्ली

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) वापसी प्रावधान को तर्कसंगत बनाया है, जिसमें करदाताओं को अब रिफंड आवेदन वापस लेने का विकल्प भी दिया है। बॉर्ड ने जीएसटी नियमों में संशोधन किया है। उसने रिफंड आवेदन दाखिल करने की तारीख से लेकर अधिकारी द्वारा उसमें खामी को बताने वाला ज्ञापन जारी करने की तिथि की अवधि को रिफंड आवेदन करने की समग्र समय सीमा से अलग कर दिया है। ध्रुव एडवाइजर्स एलएलपी नीरज बागरी ने कहा कि कई जीएसटी रिफंड आवेदनों को खामियों के आधार पर लौटा दिया जाता था, जिससे कंपनी को नए सिरे से आवेदन दाखिल करना पड़ता था और इसे नए रिफंड आवेदन के रूप में माना जाता था। उन्होंने कहा, ''कई दफा ऐसा हुआ है कि रिफंड आवदेन दो साल की भीतर अवधि के दौरान ही कर दिया जाता था। लेकिन विभाग संशोधित रिफंड आवेदन की तिथि को नयी आवदेन तिथि के रूप में मानता रहा है। इस कारण समय सीमा का हवाला देकर आवदेन रद्द कर दिया जाता था। अब सीबीआईसी ने इस नियम में संशोधन कर इस विवाद का अंत कर दिया है।

बदलाव से इन्हें मिलेगा फायदा

एथेना लॉ एसोसिएट्स पार्टनर पवन अरोड़ा ने कहा कि अब रिफंड आवेदन को अंतिम रिफंड आदेश जारी करने या रिफंड भुगतान के आदेश जारी करने से पहले वापस लिया जा सकता है। रिफंड नियमों में संशोधन ने खामी बताने वाला नोटिस मिलने के बाद नए सिरे से रिफंड आवेदन दाखिल करने की समय सीमा संबंधी सबसे बड़े विवाद का समाधान कर दिया है। एएमआरजी के सीनियर पार्टनर रजत मोहन ने कहा कि नियमों में बदलाव से निर्यातकों सहित कई करदाताओं को मदद मिलेगी। जीएसटी नियमों में वर्तमान संशोधन करदाताओं को किसी भी गलती को ठीक करने के लिए जीएसटी रिफंड आवेदन को वापस लेने का विकल्प देगा।

सिप्ला ने भारत में लॉन्च की 'Vira-Gen' RT-PCR टैस्ट किट, 25 मई से शुरू होगी बिक्री

(एजेंसी)

दवा कंपनी सिप्ला ने गुरुवार को यूबायो बायोटेक्नोलॉजी सिस्टम्स के साथ मिलकर भारत में कोविड-19 के लिए आरटी-पीसीआर टैस्ट किट 'वीराजेन' लॉन्च कर दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया है कि इस पेशकश से मौजूदा परीक्षण क्षमताओं में इजाफा होगा और कमी को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस परीक्षण किट की आपूर्ति 25 मई 2021 से शुरू होगी। सिप्ला के एमडी और ग्लोबल सीईओ उमंग वोहरा ने कहा, ''सिप्ला कोविड-19 के खिलाफ इस लड़ाई में उपचार की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। यह साझेदारी हमें मौजूदा समय में देश भर में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने में सक्षम बनाएगी।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

कोरोना पॉजिटिव पाए गए महान धावक मिल्खा सिंह, कहा- मैं हैरान हूं

चंडीगढ । महान भारतीय फर्राटा धावक मिल्खा सिंह कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं और चंडीगढ स्थित अपने आवास पर पृथकवास में हैं। 'फ्लाइंग सिख' के नाम से मशहूर 91 वर्ष के मिल्खा सिंह में कोई लक्षण नहीं है। मिल्खा ने कहा, 'हमारे कुछ हेल्पर पॉजिटिव पाए गए हैं लिहाजा परिवार के सभी सदस्यों की जांच कराई गई। सिर्फ मेरा नतीजा पॉजिटिव आया और मैं हैरान हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं पूरी तरह से ठीक हूं और कोई बुखार या कफ नहीं है। मेरे डॉक्टर ने बताया कि तीन चार दिन में ठीक हो जाऊंगा। मैने कल जॉगिंग की।' पांच बार के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता मिल्खा सिंह 1960 के रोम ओलंपिक में 400 मीटर फाइनल में चौथे स्थान पर रही। मिल्खा के बेटे गोल्फर जीव मिल्खा सिंह दुबई में है और इसी सप्ताह लौटेंगे।

बीएफआई ने एएसबीसी एशियाई मुक्केबाजी में भारतीय टीम को पूरी ताकत से मैदान में उतारा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने एएसबीसी एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारतीय टीम को पूरी ताकत के साथ मैदान में उतारा है। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघल और छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरीकॉम इस महीने दुबई में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारतीय टीमों का नेतृत्व करेंगे। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने एक बयान में कहा कि टीमें आगमन पर वीजा प्राप्त करेंगे। कोरोना महामारी के कारण यात्रा प्रतिबंधों ने भारत की भागीदारी पर संदेह पैदा कर दिया है, हालांकि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार और एशियन मुक्केबाजी महासंघ (एएसबीसी) भारतीय टीम की यात्रा को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

अध्यक्ष ने बयान में कहा कि सभी खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ पहले से ही बायो-बबल में हैं। भारतीय टीम के 22 मई को दुबई पहुंचने की उम्मीद है और खिलाड़ियों के आगमन पर उन्हें वीजा जारी किया जाएगा। हम यूएई सरकार, अमीरात में भारतीय राजदूत पवन कपूर और एएसबीसी अध्यक्ष अनस अल-ओतैबा के आभारी हैं, जिन्होंने दुबई की टीम की यात्रा को सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव तरीके से हमारी मदद की। यह एक बहुत जरूरी प्रतियोगिता है और यह प्रशिक्षण और ओलंपिक की तैयारी के अंतिम चरण में महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि चैंपियनशिप मूल रूप से दिल्ली में आयोजित होनी थी, लेकिन भारत में कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के चलते लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के कारण इसे दुबई शिफ्ट कर दिया गया।

भारत की पुरुष टीम: विनोद तंवर (49 किग्रा), अमित पंघल (52 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (56 किग्रा), वरिंदर सिंह (60 किग्रा), शिव थापा (64 किग्रा), विकास कृष्णन (69 किग्रा), आशीष कुमार (75 किग्रा), सुमित सांगवान (81 किग्रा), संजीत (91 किग्रा) और नरेंद्र (91 किग्रा से अधिक)।

भारत की महिला टीम: मोनिका (48 किग्रा), एमसी मैरीकॉम (51 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जास्मिन (57 किग्रा), सिमरनजीत कौर (60 किग्रा), लालबुत्साईही (64 किग्रा), लवलीना बोर्गोहैन (69 किग्रा), पूजा रानी (75 किग्रा), स्वीटी (81 किग्रा) और अनुपमा (+81 किग्रा)।

श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के कोच हो सकते हैं द्रविड़

कोलंबो (एजेंसी)।

कोविड-19 महामारी के बावजूद भारत का सीमित ओवरों की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करने का कार्यक्रम है और उस दौरे पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज राहुल द्रविड़ टीम इंडिया के कोच हो सकते हैं। भारत को यह दौरा जुलाई में करना है। हालांकि दोनों देशों की बोर्ड की तरफ अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है कि सीरीज अपने तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगी। लेकिन दोनों देशों के बोर्ड स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। अधिकारी ने कहा, बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली की ओर से घोषणा होने के बाद से इस प्लान में काई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि दोनों देशों के बोर्ड स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि राहुल द्रविड़ श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया के कोच हो सकते हैं और सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को टीम की कमान सौंपी जा सकती है। मुख्य कोच रवि

शास्त्री, गेंदबाजी कोच भरत अरुण और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर सहित भारत का कोचिंग स्टाफ पांच टेस्ट मैचों और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए इंग्लैंड के दौरे पर होंगे और उसी समय भारत सीमित ओवरों की सीरीज के लिए श्रीलंका दौरे पर होगा। मुख्य कोचिंग स्टाफ के इंग्लैंड दौरे पर होने के कारण द्रविड़ को श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम का कोच बनाया जा सकता है क्योंकि उनके पास इंडिया-ए और अंडर-19 टीम को कोचिंग देने का अनुभव है।

एलिस पैरी ने कहा- भारत के खिलाफ गुलाबी गेंद से अच्छा मुकाबला होगा

मेलबर्न । आस्ट्रेलिया की आलराउंडर एलिस पैरी का मानना है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम में कुशल बल्लेबाजों की मौजूदगी से इन दोनों टीमों के बीच होने वाले गुलाबी गेंद के टेस्ट मैच में अच्छा मुकाबला देखने को मिलेगा हालांकि पर्थ की परिस्थितियां मेजबान टीम के अधिक अनुकूल रहेंगी। दोनों टीमों के बीच 30 सितंबर से तीन अक्टूबर के बीच पर्थ में दिन रात्रि टेस्ट मैच खेला जाएगा। यह भारतीय महिला टीम का गुलाबी गेंद से पहला टेस्ट मैच होगा। पैरी ने कहा कि यह महिला टेस्ट के लिये शानदार स्थल है। पिच से अतिरिक्त तेजी और उछाल मिलेगी और इससे मूवमेंट भी मिलेगा। यह निश्चित तौर पर हमारी टीम और आस्ट्रेलियाई शैली की क्रिकेट के अनुकूल है लेकिन भारतीय टीम में कुछ कुशल खिलाड़ी हैं विशेषकर उसकी बल्लेबाज जिससे इस टेस्ट मैच में अच्छा मुकाबला देखने को मिलेगा और यह दोनों टीमों के लिए बहुत अच्छा अवसर है। भारतीय टीम में वनडे कप्तान मिताली राज, टी20 कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना जैसी अच्छी बल्लेबाज हैं।

छोटे से गांव से आने वाली सोनम मलिक करेंगी ओलंपिक का सफर

मदिना (एजेंसी)।

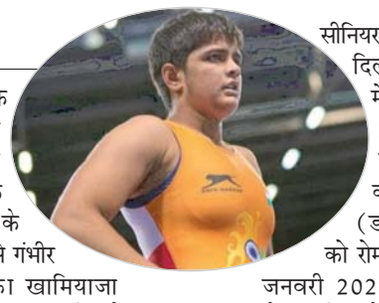

भारतीय कुश्ती जगत के कई लोगों को डर था कि कम उम्र की सोनम मलिक को सीनियर वर्ग के अनुभवी पहलवानों के खिलाफ मुकाबला करने से गंभीर रूप से चोटिल होने का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। हरियाणा के सोनीपत जिले के मदिना गांव की 19 साल की इस युवा पहलवान ने हालांकि ओलंपिक टिकट हासिल कर यह साबित किया कि उनका जोखिम उठाने का फैसला सही था। सोनम में रियो ओलंपिक की पदक विजेता साक्षी मलिक को 62 किग्रा भार वर्ग में पटखनी देकर अपनी पहचान बनायी। सोनम के कोच अजमेर मलिक और उनके अभिभावक को कुश्ती के राष्ट्रीय महासंघ को दो बार की इस कैडेट विश्व चैम्पियप को सीनियर स्तर पर मौका देने के दिलवाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। साल 2019 में काफी मेहनत के बाद हालांकि भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) ने सोनम को रोम रैंकिंग सीरीज के लिए जनवरी 2020 के ट्रायल में मौका दिया। सोनम के कोच अजमेर ने कहा, ''ट्रायल्स में सोनम साक्षी मलिक पर भारी पड़ी और उन्होंने भारतीय टीम में जगह पक्की की। इसके बाद नेता जी (डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बीबी शरण) ने कहा था कि अगर हम ट्रायल्स में उसे मौका नहीं देते तो यह बड़ी गलती होती। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफआई और कई अन्य लोगों ने तर्क दिया था कि अनुभव की कमी के कारण वह चोटिल हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हम ऐसा करके उसके करियर को खतरे में डाल देंगे, लेकिन हमने महासंघ को मनाना जारी रखा। सोनम को लेकर उनका आत्मविश्वास इतना अधिक इसलिए था क्योंकि उसने स्थानीय 'दंगल' में असाधारण प्रदर्शन किया था। उसने बड़े नामों के खिलाफ ओपन कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते हुए जीत दर्ज की थी। सोनम ने रितु मलिक, सरिता मोर , निशा या सुदेश जैसे बड़े पहलवानों के खिलाफ उनकी प्रतिष्ठा की परवाह नहीं की। उन्होंने भारतीय महिला कुश्ती में बड़े नामों के खिलाफ दमदार मुकाबला किया।अजमेर ने कहा कि हम सिर्फ यह आकलन करना चाहते थे कि वह इन पहलवानों के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करती है लेकिन वह लगातार प्रभावित करती रही। सोनम ने 2018 में दिल्ली दंगल में एक स्कूटर और एक लाख 10 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। कुल मिलाकर उसने पांच बार भारत केसरी का खिताब जीता। सोनम को 10 साल की उम्र से ही नाम कमाने की ललक थी।

संक्षिप्त समाचार

गेंदबाज हर्षल पटेल ने कहा, भविष्य में आरसीबी के खिलाफ नहीं खेलूंगा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने वाले हर्षल पटेल टूर्नामेंट के स्थगित होने तक सबसे ज्यादा विकेट्स (17) के साथ पर्पल कैप अपने पास रखी दिल्ली कैपिटल्स से आरसीबी में आए हर्षल ने कहा कि उम्मीद है कि वह भविष्य में आरसीबी के खिलाफ नहीं खेलूंगा। इस साल की शुरुआत में आरसीबी में ट्रेड किए जाने के बाद हर्षल को कोहली से संदेश भी मिला था जिसमें लिखा था, आपका स्वागत है, आप यहां खेलने जा रहे हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, कोई भी अच्छा नेता उदाहरण पेश करता है। वे पहले एक मिसाल कायम करते हैं और फिर उसे पेश करते हैं। विराट के बारे में एक सराहनीय बात यह है कि वह आपको कुछ खास करने के लिए नहीं कहते हैं। वह उदाहरण के द्वारा नेतृत्व करता है। फिटनेस के मामले में भी वह अपने हुनर के अलावा शायद दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। वह हमेशा के लिए देखे जाने वाले है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने कोहली की ऊर्जा और उनके मैदान पर जश्न का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैं आमतौर पर अपने विकेटों के जश्न को इतने जुनून के साथ नहीं मनाता। विराट इसे कवर करते हैं। यह उनका जुनून है। मैदान पर उनकी भागीदारी और उनकी ऊर्जा असाधारण है। टीम में यदि आप अपने साथी की सफलता का आनंद लेते हैं, तब आपका पक्ष अंततः एकजुट इकाई के रूप में खेलता है। हर्षल ने कहा, जब मैंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर नो-बॉल फेंकी, तब विराट ने मुझे सिर्फ लंबाई पर ध्यान देने के लिए कहा। कोई अन्य बातचीत नहीं थी। जब बहुत अधिक शोर होता है,तब आपको केवल साधारण प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है और अन्य सभी चीजें धुंधली हो जाती हैं। हर्षल ने अपने ड्रीम विकेट पर भी बात की और कुछ साल पहले सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी को आउट करने वाले लम्हों को याद किया।

वेस्टइंडीज क्रकेट टीम का टीकाकरण हुआ

सेंट जोन्स। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप से पहले मेजबान वेस्टइंडीज टेस्ट टीम के 13 खिलाड़ियों एवं सहयोगी सदस्यों को कोविड-19 का टीका लगाया गया है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) के अनुसार टीम के 11 खिलाड़ियों एवं सहयोगी सदस्यों को टीके की पहली डोज दी गयी जबकि दल के बाकि दो सदस्यों को दूसरी डोज दी गयी। ये सभी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के मैचों की तैयारी कर रहे है। सीडब्ल्यूआई ने कहा, '' प्रशिक्षण दल के कई सदस्यों ने पहले ही अपने घरेलू देशों में टीके की पहली डोज प्राप्त कर ली है और उन्हें आगामी गर्मियों में इसका दूसरा डोज दिया जाएगा।' वहीं इससे पहले महिला टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी सदस्यों को भी टीके की पहली डोज दी गयी थी। सीडब्ल्यूआई क्षेत्रीय सरकारों के प्रयासों का समर्थन कर रहा है जिससे सभी को कोविड -19 के खिलाफ टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित कर सके। वहीं वेस्टइंडीज महिला प्रशिक्षण दल ने पिछले सप्ताह एंटीगा में अपने अभ्यास शिविर में टीके की पहली डोज ली थी।

ऑस्ट्रेलिया में होने वाले दिन रात्रि टेस्ट से पूर्व गुलाबी गेंद से घरेलू टूर्नामेंट हो : रंगास्वामी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की शीर्ष परिषद की सदस्य और पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी ने गुरुवार को भारतीय महिला टीम के लिये टेस्ट मैच फिर से शुरू करने का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि बोर्ड ऑस्ट्रेलिया में होने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से पूर्व गुलाबी गेंद से घरेलू टूर्नामेंट का आयोजन करेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने घोषणा की है कि भारतीय महिला टीम का गुलाबी गेंद से पहला टेस्ट मैच 30 सितंबर से पर्थ के वाका में आयोजित किया जाएगा। भारतीय टीम अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ लाल गेंद से टेस्ट मैच खेलेगी जो उसका पिछले सात वर्षों में पहला टेस्ट मैच होगा। महिलाओं के लिए घरेलू क्रिकेट में 2018 से लंबे प्रारूप के मैच नहीं खेले जा रहे हैं और ऐसे में मिताली राज की अगुवाई वाली टीम के लिये चुनौती आसान नहीं होगी। रंगास्वामी ने कहा, 'बीसीसीआई ने पिछले साल महिला क्रिकेटरों के लिए कुछ टूर्नामेंटों की योजना बनायी थी लेकिन महामारी के कारण इन पर पानी फिर गया। यह सुखद है कि बोर्ड ने भारतीय महिला टीम के इंग्लैंड दौरे के दौरान एक टेस्ट मैच की योजना बनाई है। उन्होंने कहा, 'इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिन रात्रि टेस्ट मैच की घोषणा की गई है जो बेहद प्रशंसनीय है। लेकिन भारतीय महिलाएं घरेलू स्तर पर भी लंबे प्रारूप की क्रिकेट नहीं खेल रही हैं इसलिए बीसीसीआई को मेरी सलाह है कि वह टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पूर्व उसके लिए भारत में गुलाबी गेंद से घरेलू टूर्नामेंट का आयोजन करे।'

ओलंपिक के लिए अन्य टीमों के प्रो-लीग मैचों पर नजर रख रहे है: हॉकी खिलाड़ी सुमित

बेंगलुरु । कोरोना वायरस महामारी की वजह से लागू यात्रा प्रतिबंधों के कारण भारतीय हॉकी टीम के एफआईएच प्रो-लीग के मैचों के स्थगित होने पर मिडफील्डर सुमित ने बुधवार को कहा कि तोक्यो ओलंपिक से पहले उनकी टीम दूसरी टीमों के खेल का बारीकी से विश्लेषण कर रही है। अर्जेंटीना दौरे के बाद भारतीय टीम को इस महीने ब्रिटेन, स्पेन और जर्मनी के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के मैच खेलने थे, लेकिन कोविड-19 मामलों में वृद्धि के मद्देनजर लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। पुरुष टीम के सीनियर कोर ग्रुप के साथ यहां के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में प्रशिक्षण कर रहे सुमित ने कहा कि कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होने के कारण वे अपने प्रतिद्वंद्वी टीमों के मौजूदा मैचों के वीडियो फुटेज देखकर तोक्यो खेलों की तैयारी कर रहे हैं। सुमित ने कहा कि हम उन टीमों को करीब से देख रहे हैं जो वर्तमान में अपने प्रो लीग मैच खेल रही हैं। हम अपने अभ्यास सत्र के दौरान उनका उपयोग करने के लिए उनकी खेल शैली और संरचना का विश्लेषण कर रहे हैं। हम अपने आंतरिक अभ्यास के दौरान मैच जैसे परिदृश्य बनाते है। हम किसी विशेष टीम की संरचना का निर्माण करते है। यह वास्तव में प्रभावी है, और हम इसका अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले साल जनवरी में नीदरलैंड के खिलाफ प्रो लीग मैच के बाद अर्जेंटीना के हालिया दौरे पर गई टीम में वापसी करने वाले 24 साल के इस खिलाड़ी ने कहा कि मैं शुरू में थोड़ा नर्वस था क्योंकि मैं बहुत लंबे समय के बाद खेल रहा था। मैं हालांकि टीम में वापस आने और ओलंपिक चैंपियंस अर्जेंटीना के खिलाफ खेलने के लिए बहुत उत्साहित था। भुवनेश्वर में 2019 में एफआईएच सीरीज फाइनल्स के दौरान मेरी कलाई में चोट लग गयी थी। मैं छह महीने के लिए टीम से बाहर था। इससे उबरने के बाद मुझे नीदरलैंड के खिलाफ भुवनेश्वर में जनवरी 2020 में प्रो लीग मैचों में खेलने का मौका मिला लेकिन इमानदारी से कहूं तो तब मैंने मजबूत वापसी नहीं की थी।

हरमनप्रीत और मंधाना वार्षिक अनुबंध में ग्रेड-ए में बरकरार

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय महिला टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, उपकप्तान स्मृति मंधाना और पूनम यादव को खिलाड़ियों के वार्षिक अनुबंध में ग्रेड-ए में बरकरार रखा है। इन तीनों खिलाड़ियों को अक्टूबर 2020 से सितंबर 2021 तक 50 लाख रूपये मिलेंगे। महिला वनडे टीम की कप्तान मिताली राज, तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी, पूनम राउत, दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़, शैफाली वर्मा, राधा यादव, शिखा पांडे, तानिया भाटिया और जेमिमा रॉड्रिग्स ग्रेड-बी में शामिल हैं और इन खिलाड़ियों को 30-30 लाख रूपये मिलेंगे। ओपनर शैफाली, पूनम और राजेश्वरी को ग्रेड-सी से प्रोमोट कर ग्रेड-बी में डाला गया है। मानसी जोशी, अरूंधति रेड्डी, पूजा वस्त्राकर, हर्लिन देओल, प्रिया पूनिया और ऋचा घोष ग्रेड-सी में हैं और इन्हें 10-10 लाख रूपये मिलेंगे। बीसीसीआई ने अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची को घटा दिया है और 22 के बजाए इस बार 19 खिलाड़ियों को इसमें शामिल किया गया है। एकता बिष्ट, अनुजा पाटिल और वेदा कृष्णामूर्ति को बाहर रखा गया है।

पूर्व कोच बोले : गांगुली सिर्फ कप्तान बने रहना चाहते थे ताकि चीजों को कंट्रोल कर सकें

(एजेंसी) ।

भारतीय क्रिकेट में सबसे अधिक प्रलेखित समय में से एक ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल का टीम इंडिया के मुख्य कोच के रूप में कार्यकाल रहा है। चैपल ने सौरव गांगुली को कप्तानी से हटाने के बाद उन्हें टीम से बाहर करने का फैसला किया। इससे प्रशंसकों और मीडिया सहित पूर्व खिलाड़ियों ने भी इस महान ऑस्ट्रेलियाई की आलोचना की। चैपल ने भारतीय कोच के रूप में अपने कार्यकाल के बारे में बात की और गांगुली के साथ अपने मुद्दों को याद करते हुए इस पर खुलकर बात की। चैपल ने कहा, पूर्व भारतीय कप्तान एक खिलाड़ी के रूप में सुधार नहीं करना चाहते थे, लेकिन केवल कप्तान के रूप में बने रहना चाहते थे। चैपल ने एक पॉडकॉस्ट के दौरान कहा, भारत में दो साल हर मोर्चे पर चुनौतीपूर्ण रहे। उम्मीदें हास्यास्पद थीं। कुछ मुद्दे सौरव के कप्तान होने को लेकर थे। उन्हें विशेष रूप से कड़ी मेहनत करना पसंद नहीं था। वास्तव में अपने वह क्रिकेट में सुधार नहीं कर रहा था। वह सिर्फ कप्तान के तौर पर टीम में रहना चाहते थे ताकि चीजों पर नियंत्रण कर सकें। तेंदुलकर, सहवाग, द्रविड़, कुंबले और कुछ युवा खिलाड़ियों के साथ काम करना चुनौतीपूर्ण और अद्भुत था। हालांकि उन्होंने कहा कि धोनी अलग थे। उन्होंने कहा, गांगुली ही थे जिन्होंने भारत को कोचिंग देने के लिए मुझसे संपर्क किया था। मेरे पास अन्य दृष्टिकोण थे लेकिन मैंने फैसला किया कि चूंकि जॉन बुकानन ऑस्ट्रेलिया को कोचिंग दे रहे थे ... और अगर मैं ऑस्ट्रेलिया को कोच नहीं कर सका तो मैं दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाले, कट्टर क्रिकेट प्रेमी देश को कोचिंग देना पसंद करूंगा और यह मौका इसलिए आया क्योंकि सौरव ने मेरा कोचिंग देना सुनिश्चित किया था। एक बंगाली दैनिक समाचार पत्र से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि जिस अवधि में उन्हें बाहर किया गया वह उनके करियर का 'सबसे बड़ा झटका' था। उन्होंने कहा, यह मेरे करियर का सबसे बड़ा झटका था। यह घोर अन्याय था। मुझे पता है कि आपको हर समय न्याय नहीं मिल सकता लेकिन फिर भी उससे बचा जा सकता था। मैं उस टीम का कप्तान था जो अभी-अभी जिम्बाब्वे में जीती थी और घर लौटने के बाद मुझे बर्खास्त कर दिया गया था? मैंने भारत के लिए 2007 विश्व कप जीतने का सपना देखा था। पिछली बार हम फाइनल में हारे थे। मेरे सपने देखने के भी कारण थे। घर हो या बाहर, टीम ने पिछले 5 सालों से मेरे नेतृत्व में अच्छा खेला था। फिर तुमने मुझे अचानक छोड़ दिया? पहले आप कहते हैं कि मैं वनडे टीम में नहीं हूं, फिर आप मुझे टेस्ट टीम से भी बाहर कर देते हैं।

आईओसी, जापान सुरक्षित ओलंपिक के लिए प्रतिबद्ध

टोक्यो। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक और जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा ने टोक्यो ओलंपिक खेलों को सुरक्षित तरीके से आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बाक ने आईओसी अधिकारियों और टोक्यो ओलंपिक आयोजनकर्ताओं के बीच तीन दिवसीय वर्चुअल बैठक से पहले यह बात कही। उन्होंने कहा, हमारे जापानी पार्टनरों और दोस्तों के साथ मैं आईओसी की उस प्रतिबद्धता को दोहराता हूं, जोकि सभी के लिए ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के सफल और सुरक्षित आयोजन को लेकर है। इस उद्देश्य के साथ अब हमारा पूरा ध्यान ओलंपिक खेलों के आयोजन पर लगी हुई है। बाक ने साथ ही कहा कि मेडिकल स्टाफ की कमी को देखते हुए और आयोजनकताओं की मदद करने के लिए आईओसी अतिरिक्त चिकित्साकर्मियों को टोक्यो भेजेगा। उन्होंने कहा कि ओलंपिक विलेज में रहने वाले 75 फीसदी एथलीट और प्रतिभागियों को वैक्सीन की खुराक दी जाएगी। जापानी प्रधानमंत्री सुगा ने कहा कि अधिकारियों को सख्त कदम उठाएंगे ताकि स्थानीय लोग खेलों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से न मिल सकें।

कोरोना काल में लोगों की मदद करने सामने आईं भूमिका चावला

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमिका चावला कोरोना वायरस से मची तबाही में लोगों का साथ देने के लिए एक नया तरीका अपनाया है। जिसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट से अपनी एक फोटो शेयर करते हुए दी है।

लघु उद्योग को मुफ्त में बढ़ावा देंगी

भूमिका चावला ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पोस्ट से घोषणा करते हुए कहा है कि वह लघु उद्योग को मुफ्त में बढ़ावा देंगी। इसके जरिए वह इस महामारी से प्रभावित और जरुरतमंद लोगों की मदद करेंगी। इस घोषणा के साथ ही साथ उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने का आग्रह किया है। भूमिका का पोस्ट वायरल हो चुका है। लोग कॉमेंट कर उनके नेक काम की तारीफ कर रहे हैं।

यह पैसे के लिए नहीं है

भूमिका ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''यह हमेशा पैसे के बारे में नहीं है ऐसे समय में जब हम सब इसमें एक साथ हैं, हम एक दूसरे की मदद के लिए क्या कर सकते हैं? कोई अपने आप में सोचता है कि वह सबसे अच्छा क्या कर सकता हैक्रोई कुछ ब्रांडों और छोटे व्यवसायों की मदद करने की कोशिश कर रहा होगा.यह एक जरिया है, जो पैसों के लिए नहीं है।

पूरी तरह विश्वासनिय हो

भूमिका ने आपने पोस्ट में ये भी लिखा है कि वह छोटे ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त में सपोर्ट करेंगी और यह भी सुनिश्चित करेंगी कि जिन भी चीजों को वो प्रमोट करेंगी वह पूरी तरह विश्वासनिय हो।

सलमान खान साथ की थीं बॉलीवुड डेब्यू

बता दें कि भूमिका चावला ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम किया लेकिन आज भी लोग उन्हें सलमान खान की हिरोइन के नाम से जानते हैं। क्योंकि फिल्म 'तेरे नाम' में सलमान खान ने भी भूमिका को अप्रोच किया था ।

इन फिल्मों में भी आईं नजर

इस फिल्म भूमिका सलमान खान के अपोजिट नजर आई थीं। उनकी यह पहली फिल्म हिट साबित हुई थी। इस फिल्म के बाद, भूमिका 'रन', 'दिल ने जिसे अपना कहा', 'सिलसिला', और 'दिल जो भी कहे' जैसी फिल्मों में काम किया। भूमिका चावला अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म एमएस धोनी अनटोल्ड स्टोरी में भी नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की बहन का किरदार निभाया था।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में हैं बड़ा नाम

हालांकि अब भूमिका बॉलीवुड छोड़ साउथ फिल्म इंडस्ट्री वापस जा चुकी हैं, जहां इनका में बड़ा नाम है। भूमिका ने विज्ञापन फिल्मों में काम कर अपने करियर की शुरुआत की थी जिसके बाद वो जी टीवी के मशहूर शो 'हिप हिप हुर्रे' में दिखाई दी थी।

ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3

गेस्ट अपीयरेंस में दिखाई देंगे विक्रांत मैसी और हरलीन सेठी

पहले दो सीजन की जोरदार सफलता के बाद ऑल्ट बालाजी की सफल फ्रैंचाइजी – ब्रोकन बट ब्यूटीफुल के तीसरे सीजन के साथ वापस लौट आया है। टीजर के सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने के बाद अब ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। शो में सिद्धार्थ शुक्ला और सोनिया राठी, अगस्त्य और रूमी के रूप में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में एक बड़े स्पॉइलर का खुलासा किया गया है, शो में विक्रांत मैसी और हरलीन सेठी गेस्ट अपीयरेंस में दिखाई दिए हैं। 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' फ्रैंचाइजी दर्शकों की पसंदीदा है क्योंकि यह उन्हें प्यार, लालसा और दिल टूटने के सफर पर ले जाता है। सिद्धार्थ शुक्ला और सोनिया राठी अभिनीत, ब्रोकन बट ब्यूटीफुल 3 अगस्त्य और रूमी की प्रेम कहानी है। एक महत्वाकांक्षी निर्देशक अगस्त्य राव को रूमी देसाई से प्यार हो जाता है। उनकी दुनिया अलग है, और वे एक-दूसरे से अलग चीजें भी चाहते हैं, जो दिल टूटने की एक परफेक्ट रेसेपी है। शो के तीसरे सीजन के टीजर में सिद्धार्थ के प्रशंसक उनके एंग्री यंग मैन अवतार को लेकर उत्साहित हैं। वे ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जिसके लिए वे सोशल मीडिया पर अनुरोध कर रहे है।

ट्रेलर के डायलॉग्स ने जीता दिल

यह ट्रेलर प्यार, नफरत, जुनून, निराशा, बदला और ईर्ष्या जैसी विभिन्न भावनाओं के साथ एक रोलर कोस्टर राइड है। सिद्धार्थ शुक्ला यहाँ अगस्त्य की भूमिका निभा रहे हैं जिन्हें थियेटर के गुस्सैल युवा के रूप में संदर्भित किया जाता है, जबकि रूमी उनकी मूज की भूमिका निभा रही है। प्रभावशाली डायलॉग जैसे कि 'आप जो चाहते हैं वह मिल जाने से डर लगता है', 'कभी-कभी वे चीजें जो आप चाहते हैं, वे चीजें नहीं होती जिनकी आपको आवश्यकता होती है 'और 'जुनून कभी खत्म नहीं होता, वह बदल जाता है', ट्रेलर ने निश्चित रूप से दर्शकों पर एक स्थायी छाप छोड़ दी है।

इंटरनेशनल फिल्म में म्यूजिशियन का किरदार निभाएंगे जैकी श्रॉफ

बॉलीवुड एक्टर जैकी श्रॉफ ने फिल्म जगत में सैकड़ों फिल्मों से अपनी विशेष पहचान बनाई है। जैकी का स्टाइल बाकी अभिनेताओं से बिल्कुल अलग है। अब जैकी इंटरनेशनल उड़ान के लिए तैयार हैं। वह एक इंटरनेशनल फिल्म में म्यूजिशियन के किरदार में नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि जैकी ने इस फिल्म को साइन कर लिया है। वह बहुत जल्द एक इंटरनेशनल फिल्म में दिखने वाले हैं। खबरों की मानें तो इस प्रोजेक्ट में जैकी को गोवा के एक 64 वर्षीय व्यक्ति की भूमिका में देखा जाएगा। इस फिल्म में एक ऐसे व्यक्ति की कहानी को फिल्माया जाएगा जिसके जीवन का पहले कोई आधार नहीं होता। इसके बाद वह फ्रांस का एक चर्चित म्यूजिशियन बन जाता है। अभी जैकी इस भूमिका के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।

खबरों के मुताबिक, जैकी श्रॉफ इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। फिलहाल इस फिल्म का टाइटल निर्धारित नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म जोसेफ मैनुअल दा रोचा के जीवन पर आधारित होगी। जोसेफ को स्लो जो के नाम से भी जाना जाता है। स्लो की बायोपिक का निर्देशन 'व्हाई चीट इंडिया' के निर्देशक द्वारा किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को अंग्रेजी, फ्रेंच और कोंकणी भाषाओं में बनाया जाएगा। यह फिल्म भारत, फ्रांस और सिंगापुर के बीच को-प्रोडक्शन के रूप में बनाई जाएगी। स्लो की बायोपिक को सौमिक सेन द्वारा निर्देशित किया जाएगा।

फिल्म करियर ने अन्य चीजों को करने के लिए सक्षम बनाया

गुल पनाग को हिंदी फिल्म उद्योग में लगभग 18 साल हो गए हैं, और उनका कहना है कि उनके अभिनय करियर ने उन्हें अन्य चीजों को करने में सक्षम बनाया जो उनके लिए महत्वपूर्ण हैं। गुल ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत 2003 में आई फिल्म 'धूप' से की थी। तब से, उन्होंने टीवी श्रृंखला कश्मीरी के अलावा जुर्म, डोर, धूप, मनोरमा सिक्स फीट अंडर और अब तक छप्पन 2 जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्हें आखिरी बार 2019 की फिल्म बाईपास रोड में देखा गया था। गुल ने बताया ''मैंने हमेशा ऐसी फिल्में की हैं जो मुझसे बात करती हैं और मैं कई अन्य चीजों को करने के लिए अपने फिल्मी करियर का लाभ उठाने में सक्षम थी। इसलिए, मैंने अपने फिल्मी करियर को एक निमार्ता, उद्यमी, सार्वजनिक वक्ता, प्रेरक होने जैसे अन्य काम करने में सक्षम बनाया।'' ''मुझे स्पष्ट रूप से कहना है कि अभिनय कुछ ऐसा है जिसके लिए मैं बहुत आभारी हूं, यह उन चीजों में से एक है जो मैं अपने जीवन में करना चाहती थी।'' नेशनल ज्योग्राफिक स्पेशल 'टाइगर क्वीन ऑफ तारू' और 'ऑन द ब्रिंक' को आवाज देने वाली गुल ने कहा, ''यह सुनिश्चित करना मेरे लिए अनिवार्य है कि मैं एक अभिनेत्री के रूप में बुद्धिमानी से प्रोजेक्ट का चुनाव करूं।''

सोनू सूद ने उनके नाम पर चल रहे फर्जी फाउंडेशन के प्रति किया आगाह

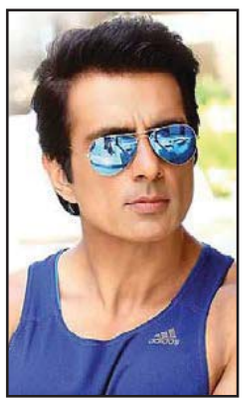

कोविड-19 महामारी में लोगों की सक्रिय तरीके से मदद कर रहे अभिनेता सोनू सूद ने सोमवार को लोगों को उनके नाम का इस्तेमाल कर चल रहे फर्जी फाउंडेशन द्वारा चंदा एकत्र करने को लेकर आगाह किया। सूद ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों को आगाह करते हुए कहा कि एक संगठन है जो उनके नाम पर चंदा मांग रहा है जिसका उनसे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने ट्विटर पर कथित संगठन सोनू सूद फाउंडेशन के पोस्टर के साथ संदेश दिया, कृपया सतर्क रहें और नजदीकी पुलिस थाने में इसकी शिकायत करें।अभिनेता ने पोस्टर और फाउंडेशन पर 'फर्जी' का भी ठप्पा लगाया। गौरतलब है कि पिछले साल कोरोनावायरस की वजह से लागू लॉकडाउन में सोनू सूद ने कई प्रवासियों को उनके घर तक पहुंचाने में मदद की थी और कई वंचितों के भोजन की व्यवस्था की थी।

सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं अर्जुन बिजलानी

अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने सोशल मीडिया पर अपने नवीनतम पोस्ट को साझा किया है। इंस्टाग्राम पर अर्जुन ने केप टाउन से कई तस्वीरें साझा कीं, जहां वह स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 11 वें सीजन की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, '' आपका रवैया, आपकी योग्यता नहीं, आपकी ऊंचाई निर्धारित करेगी।'' अर्जुन के साथ, रियलिटी शो में दिखाई देने वाले अन्य लोगों में श्वेता तिवारी, अभिनव शुक्ला, दिव्यांका त्रिपाठी, निक्की तंबोली, अनुष्का सेन, राहुल वैद्य जैसे नाम शामिल हैं और सभी एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखाई देंगे । 12 मई को, अर्जुन को मरीजों के लिए बेड ढूंढने वाले इंडिया इंटरनेशनल मूलवेंट टू यूनाइट नेशन्स का एंबेस्डर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सभी के लिए जरूरी है कि वे आगे आएं और वायरस से लड़ने के प्रयासों में शामिल हों।

फंड रेजिंग पर बोले अमिताभ बच्चन – मैं किसी से पैसे नहीं मांग सकता

बॉलिवुड ऐक्टर अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर खासा ऐक्टिव रहते हैं और अक्सर पोस्ट के जरिए अपनी दिल की बात बेबाक अंदाज में फैन्स के साथ शेयर करते हैं। अब अमिताभ ने अपने ब्लॉग में 'फंडरेजिंग' का जिक्र करते हुए लिखा, 'फंडरेजिंग' का काम सच में काफी काबिले तारीफ है। लेकिन मैं इसे खुद से कभी शुरू नहीं करूंगा, क्योंकि मुझे दूसरे से पैसे मांगना शर्मनाक लगता है और मैंने अकेले 25 करोड़ रुपये डोनेट किए हैं।' बॉलिवुड के महानायक अमिताभ बच्चन इन दिनों कोविड के मरीजों के लिए काफी डोनेशन दे रहे हैं और इसकी जानकारी अक्सर वह अपने ब्लॉग के जरिए देते रहते हैं। अमिताभ के अलावा अनुष्का शर्मा, प्रियंका चोपड़ा, ऋतिक रोशन जैसे सेलिब्रिटी फंडरेजिंग के जरिए कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए पैसे जमा कर रहे हैं। बिग बी अपने ब्लॉग में लिखते हैं, 'मैं कभी खुद से यह शुरू नहीं कर सकता, क्योंकि मुझे पैसे मांगना बेहद शर्मनाक लगता है। इसलिए मैं कोशिश करता हूं कि मैं अपनी सीमित साधनों के जरिए जितना हो सके लोगों की मदद करूं।' अमिताभ आगे लिखते हैं, 'मैं अपने ब्लॉग पोस्ट में अपने डोनेशन या यूं कहें कोशिशों के बारे में इसलिए नहीं बताता हूं कि लोग मेरी तारीफ करें, बल्कि मैं इसके जरिए यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि सच में लोगों तक मदद पहुंच रही है। यहां केवल 'कोरे वादे' नहीं किए जा रहे हैं। मैं अपने सीमित साधनों से जो भी कर सकता हूं, वो कर रहा हूं।' अमिताभ ने अपने ब्लॉग में 'पब्लिक वेलफेयर' एड के ऊपर भी लिखा है। वह लिखते हैं, 'मैंने पब्लिक वेलफेयर के लिए जो भी एड किए हैं, उसके लिए आज तक सीधे तौर पर कोई योगदान नहीं मांगा। अगर कभी ऐसी अनदेखी हो गई है तो मैं माफी मांगता हूं।' आपको बता दें कि पूरा देश कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर से खासा परेशान है। अनुष्का और विराट कोहली ने अब तक 2 करोड़ रुपये का योगदान दिया है और उनके द्वारा शुरू किए गए फंडरेजिंग ने अब तक 11 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। अमिताभ अपने ब्लॉग पोस्ट में लिखते हैं, 'आजकल जब सब कुछ कहा और किया जा रहा है, तो मेरा व्यक्तिगत योगदान 25 करोड़ के आसपास होगा।'

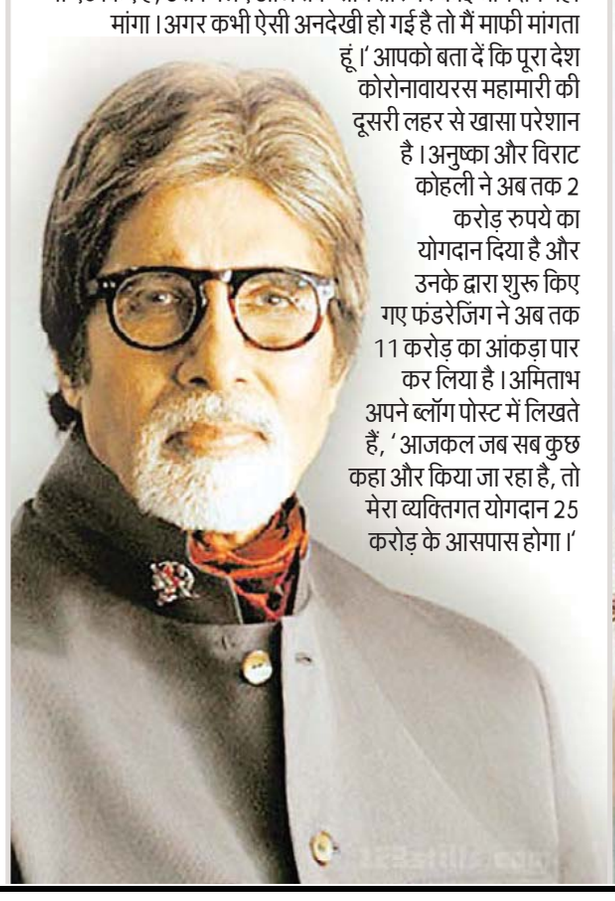

कोरोना महामारी के बीच शिल्पा शेट्टी ने दिया पॉजिटिव रहने का मंत्र

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। बीते दिनों उन्होंने एक पोस्ट कर बताया था कि राज कुंद्रा और उनके बच्चों सहित परिवार के सदस्य कोविड 19 से संक्रमित हो गए हैं। अब शिल्पा ने कोरोना महामारी के बीच फैंस को पॉजिटिव रहने की सीख दी हैं।

पॉजिटिव रहने का दिया मंत्र

शिल्पा ने एक पोस्ट लिखकर बताया कि 'एक दूसरे की मदद करिए और एक साथ रहिए। हमें खुद के साथ ईमानदार रहने की जरूरत हैं। अन्य चीजों से पहले अपनी प्राथमिकता पर ध्यान दें कि आपको क्या चाहिए। कृपया अपने स्वास्थ्य, अपने खाने, अपनी नींद और यहां तक कि पीने के पानी के साथ कोई भी लापरवाही ना करें।' शिल्पा लिखती हैं कि 'जब भी ऐसी मुश्किल घड़ी आए तो सीधे बैठकर गहरी सांस लें।' उन्होंने कहा कि 'जब आप ठीक होंगे तो आपके आस-पास के लोगों के ठीक होने को सुनिश्चित कर सकते हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पवनमुक्तासन से दूर होती है गैस की समस्या

वर्तमान में अनियमित खान-पान, फास्ट फूड इत्यादि के अत्यधिक सेवन से गैस की समस्या आम हो गयी है. इसके अलावा पेट की दूसरी समस्याओं में भी वृद्धि हुई है. प्रतिदिन पवनमुक्तासन के अभ्यास से पेट की इन समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है.

पवन मुक्तासन में पाचन क्रिया में उत्पन्न होनेवाली और आंतों की सारी वायु बाहर निकली जाती है. इसलिए इसे पवन मुक्तासन कहते हैं. यह आसन दो प्रकार से किया जाता है.

आसन से इन रोगों में लाभ

पवन मुक्तासन से मांसपेशियां और मेरूदंड (रीढ़ की हड्डी) मजबूत होते हैं. यह फेफड़े और हृदय के विकारों को दूर करता है. यह आसन शारीरिक व मानसिक थकान को दूर करता है.

इस आसन से खून के बहाव की गति तेज होती है तथा आलस्य दूर होता है. यह आसन वायु को शरीर से मुक्त करता है. इससे पेट की चर्बी कम होती है और कब्ज, एसिडिटी व पेट के सभी रोग ठीक होते हैं. इसको करने से पेनक्रियाज सक्रिय होता है, शरीर की जकड़न, तनाव, थकान तथा सांस के रोग दूर होते हैं. यह आसन बवासीर को दूर करता है तथा एक गिलास पानी पीकर सुबह इसे करने से शौच सही से होता है.

विधि 1 – इस आसन में सबसे पहले चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं. दोनों पैरों को सीधे सामने की और फैलाकर रखें. अब अपने दाहिने पैर को घुटने से मोड़कर सिर की ओर लाएं और अपने दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में फंसा कर उसके बीच में घुटनों को रखें. अब धीरे-धीरे घुटनों को जितना संभव हो मुंह की ओर लाएं और अपने सिर को फर्श से ऊपर उठा कर घुटने से नाक छूने की कोशिश करें. इस स्थिति में 2 मिनट तक रहें. आखिर में सांस अंदर खींच कर सिर व पैरों को सामान्य स्थिति में लाकर सांस छोड़ें. यह प्रक्रिया बायें पैर से भी करें. दोनों पैरों से यह क्रिया 10-10 बार करें.

विधि 2 – इस आसन को दोनों पैरों से भी कर सकते हैं. इसके लिए अपने दोनों पैरों को घुटनों से मोड़ कर सिर की ओर लाएं तथा दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में फंसा कर हाथ के बीच में घुटनों को रखें. अब घुटनों को हाथों के सहारे ऊपर खींचें और सिर को ऊपर उठा कर घुटनों को नाक में लगाने की कोशिश करें. कुछ समय तक इस स्थिति में रहने के बाद सांस लेते हुए पैरों व सिर को सीधा कर सांस को छोड़ें. इस तरह इस क्रिया को 3 बार करें.

सावधानी – इस आसन को आराम से करें तथा पहले दिन जितना संभव हो उतना ही घुटनों को सिर के पास ले जाएं. जिन लोगों को कमर व गरदन में दर्द की शिकायत हो उन्हें इस आसन का अभ्यास नहीं करना चाहिए.

विशेष – मोटे पेटवाले व्यक्तियों को पवन मुक्तासन करने में परेशानी हो सकती है. शुरू में घुटने नाक या ठोड़ी पर न लग सके, तो ऐसी स्थिति में घुटनों को सिर के जितना करीब ले जा सकें, ले जाएं. तब इसे करने में आसानी होगी.

ठंडे रहिए स्वस्थ रहिए

हाल ही में मेलबर्न में हुए एक शोध में शोधकर्ताओं ने पाया कि ठंडे वातावरण में रहने से आप स्वस्थ रह सकते हैं। ठंडा वातावरण ब्राउन फैट्स की वृद्धि को बढ़ावा देता है जो मधुमेह और मोटापे जैसी बीमारियों से बचाता है। लोगों में ब्राउन फैट्स का घटना या बढ़ना उनके व्यापक वातावरण पर निर्भर करता है। जहां ठंडा वातावरण इन फैट्स को बढ़ावा देता है, वहीं गर्म वातावरण इन्हें नष्ट करता है।

पूर्व अध्ययनों में देखा गया है कि जिन लोगों में ब्राउन फैट्स की मात्रा अधिक होती है वे दुबले होने के साथ ही मंद रक्त शर्करा भी होता है।

ऑस्ट्रेलिया के गारवन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च के एंडोक्राइनोलोजिस्ट पॉल ली ने कहा, %अभी तक इस शोध से पहले यह अज्ञात था कि किसी मनुष्य में ब्राउन फैट्स की मात्रा को परिवर्तित किया जा सकता है या नहीं। हमने पाया कि शीत माह ब्राउन फैट्स को 30 से 40 फीसदी तक बढ़ा सकता है। शोधकर्ताओं ने पांच स्वस्थ व्यक्तियों को चार माह के निर्धारित तापमान में रखा जिसकी सीमा 19 डिग्री सेल्सियस से 27 डिग्री सेल्सियस तक रखी गयी। दिनभर सामान्य जीवन व्यतीत करने के बाद वे रात में 10 घंटे तापमान नियंत्रित कक्ष में रहते थे। इसमें पाया गया कि ग्रीष्म माह में ब्राउन फैट्स घटे और शीत माह में बढ़े।

%इंसुलिन संवेदनशीलता और ब्राउन फैट्स की बढ़ोतरी में सुधार क्षीण ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के उपचार में कई नए आयाम खोलेगा। वहीं दूसरी ओर, समकालीन समाज में व्यापक गर्माहट से थोड़ी-बहुत ठंडक की कमी से ब्राउन फैट्स के निर्माण में क्षति आ सकती है एवं मोटापे और मेटाबौलिक गड़बड़ी में सहयोग कर सकता है।

जामुन में है बड़ा दम

आजकल के मौसम में मिलने वाले जामुन का रंग न सिर्फ देखने में बढ़िया होता है, बल्कि यह स्वाद और सेहत से भी भरपूर होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। जामुन के सेवन से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। यह पाचन तंत्र के लिए भी लाभकारी है। खास बात यह है कि डायबिटीज वाले लोग भी इसका सेवन कर सकते हैं।

- जामुन में फ्लेवोनॉइड्स, फेनॉल्स, प्रोटीन और कैल्शियम भी पाया जाता है, जो सेहत के लिए लाभकारी होता है।
- इसमें कैरोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, पोटैशियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और सोडियम भी पाया जाता है। इस वजह

स यह शुगर का लेवल मेंटेन रखता है।

- बहुत कम लोगों को यह मालूम होगा कि जामुन में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।
- लूकोज और फ्रक्टोज के रूप में मिलने वाली शुगर शरीर को हाईड्रेट करने के साथ ही कूल और रिफ्रेश करती है।
- जामुन में फाइटोकेमिकल्स भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।
- अगर आपको कमजोरी महसूस होती है या आप एनीमिया से पीड़ित हैं तो जामुन का सेवन आपके लिए फायदेमंद रहेगा।
- जामुन का सिरका बनाकर बराबर मात्रा में पानी मिलाकर सेवन करने से यह न केवल भूख बढ़ाता है, बल्कि कब्ज की शिकायत को भी दूर करता है।
- यदि आप अपने चेहरे पर रौनक लाना चाहती हैं तो जामुन के गूदे का पेस्ट बनाकर इसे गाय के दूध में मिलाकर लगाने से निखार आता है।
- यदि आपको एसिडिटी की समस्या रहती है तो काले नमक में भुना जीरा मिलाकर पीस लें। फिर इसके साथ जामुन का सेवन करें। एसिडिटी की समस्या दूर हो जाएगी।
- यदि आपका बच्चा बिस्तर गीला करता है तो जामुन के बीजों को पीसकर आधा-आधा चम्मच दिन में दो बार पानी के साथ पिलाएं। बस एक बात का ध्यान रखें कि कभी भी खाली पेट जामुन का सेवन न करें। न ही कभी जामुन खाने के बाद दूध का सेवन करें। साथ ही अधिक मात्रा में भी जामुन खाने से बचें। अधिक खाने पर यह नुकसान भी करता है।

हेल्दी लाइफ

व्यायाम घटाता है कैंसर का खतरा

एक्सरसाइज करने से न केवल हमारा शरीर और मन फिट रहता है, बल्कि हमें कई बीमारियों से भी मुक्ति मिलती है. यह शरीर को स्वस्थ रखने का एक आसान तरीका है. इससे हमारे शरीर का हर अंग स्वस्थ रहता है. एक्सरसाइज से कई बार कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का खतरा भी कम हो जाता है.

एक्सरसाइज से इनका खतरा होता है कम

पाचन ग्रंथी का कैंसर – एक्सरसाइज करने में कोताही बरतनेवाले लोगों में पाचन ग्रंथी का कैंसर होने का खतरा ज्यादा होता है. पाचन ग्रंथी एंजाइम पैदा करती है, जो भोजन को पचाने और हार्मोन के लिए लाभदायक होते हैं. इससे शरीर में शर्करा की मात्र को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है.

जीवनशैली में परिवर्तन के कारण रक्त में प्रोटीन की मात्र बढ़

जाती है और इससे पैंक्रियाटिक कैंसर होने का खतरा पैदा हो जाता है. इसमें वजन को नियंत्रित रखना अहम है.

आंत का कैंसर -जो लोग शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय रहते हैं, उनमें दूसरों की तुलना में आंत के कैंसर का खतरा 40 प्रतिशत कम रहता है. रनिंग व साइकिलिंग से इसे कंट्रोल कर सकते हैं.

प्रोस्टेट कैंसर – दिनभर एक ही जगह काम करना भले ही आपको पसंद हो, लेकिन इससे प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ जता है. ऐसे लोगों में अधिक सक्रिय लोगों के मुकाबले प्रोस्टेट कैंसर का खतरा 30 प्रतिशत अधिक होता है.

विभिन्न प्रकार के एक्सरसाइज इस बीमारी से आपका बचाव कर सकते हैं. प्रतिदिन एक घंटा टहलने से या साइकिल चलाने से प्रोस्टेट कैंसर का खतरा 14 प्रतिशत तक कम हो जाता है. प्रतिदिन व्यायाम जरूर करें.

बिस्तर पर जाने के बाद कभी न सोचें ये बातें

रात में बिस्तर पर लेटकर दिन भर की बातें सोचते हैं पर सोचते-सोचते नींद ही नहीं आती है तो इसकी वजहें आपकी कुछ गलत आदते हो सकती हैं।

अच्छी नींद के लिए जरूरी है कि बिस्तर पर लेटकर आप इन बातों को न ही सोचें।

आपका जरूरी मेल

दिन भर दफ्तर के जरूरी काम से संबंधित ईमेल अगर आपकी नींद उड़ा रहा है तो खुद को इस बारे में सोचने का मौका ही न दें।

कई शोधों में प्रमाणित हो चुका है कि जरूरी ईमेल, फेसबुक अपडेट आदि चेक करने वाले लोगों की नींद सबसे अधिक प्रभावित होती है।

तो कम से कम बिस्तर पर पड़ते वक्त आप मेल और अपडेट के बारे में सोचना ही छोड़ दें जिससे इन्हें चेक करने का मन करे।

किसी झगड़े के बारे में

अगर दिन में बॉस की फटकार मिली है या साथी से किसी बात पर नोकझोंक हो गई है तो इसे सोने से पहले कतई न सोचें।

यूनिवर्सिटी ऑफ मसाच्युसेट्स के शोधकर्ताओं की मानें तो झगड़ा व तनाव की बातें सोचने के कारण नींद अधिक प्रभावित होती है और स्ट्रेस लेवल बढ़ता है।

क्या-क्या करना है

सोने से पहले अगले दिन की तैयारी यकीनन अच्छी बात है लेकिन क्या-क्या करना है इसकी चिंता करने की आपकी आदत नींद पर भारी पड़ सकती है।

2013 में टोरंटों में हुए एक सम्मेलन में अगले दिन के तनाव को नींद न आने की बड़ी वजह माना गया है।

गैस्ट्रिक से परेशान हैं तो इस 7 उपायों से मिलेगा आराम

रुटीन या खानपान में जरा सी गड़बड़ गैस्ट्रिक समस्याओं को बढ़ा सकती है। ऐसे में गैस्ट्रिक समस्याओं से निजात के लिए कुछ घरेलू उपाय मददगार हो सकते हैं।

अगर आपको अक्सर इस तरह की सम्सयाएं होती हैं तो सैर और व्यायाम के साथ इन घरेलू उपायों को रुटीन में शामिल करने से आपको आराम मिल सकता है।

गुनगुना पानी

गुनगुना पानी पीने से न सिर्फ पाचन ठीक होता है बल्कि यह अपच से होने वाले पेट दर्द में भी आराम पहुंचाता है। गैस्ट्रिक की समस्या अधिक हो तो गर्म पानी में अज्वाइन या जीरा खौलाकर पीने से भी तुरंत आराम मिलता है।

मसालों से बनी दवा नियंत्रित करेगी हाई बीपी

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बड़ी खुशखबरी है। हाल में वैज्ञानिकों ने भारतीय मसालों से ऐसी दवा तैयार की है जिसकी मदद से वे हाइपरटेंशन के उपचार का दावा कर रहे हैं। इकोनॉमिक टाइम्स में प्रकाशित खबर के अनुसार, श्री रामचंद्र यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने चेन्नई में वैज्ञानिकों ने चूहों पर इस दवा का इस्तेमाल करके अपने प्रयोग में सफलता हासिल की है।

मसालों से तैयार है यह दवा

वेंथामरई चूर्णम नामक यह दवा ग्रेवी, कढ़ी और रसम में इस्तेमाल होने वाले मसालों से तैयार की गई है। इसमें इलायची, अदरक, जीरा, लंबी काली मिर्च, सफेद कमल की पत्तियां और विभिन दक्षिण भारतीय मसालों को इस्तेमाल किया गया है।

मसालों से बनी इस दवा में दृहहृस नामक एंजाइम है जो नाइट्रिक ऑक्साइड का स्तर बढ़ाता है जिससे धमनियों में ब्लॉकेज नहीं हो पाता।

नहीं है कोई साइड इफेक्ट

शोधकर्ताओं का दावा है कि इस दवा के सेवन से दिल के मरीजों को किसी तरह का साइड इफेक्ट नहीं होगा। यह शोध

एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी एंड मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ता डॉ. एस थांकिचलन के अनुसार, इस दवा की सबसे बड़ी खासियत है कि इससे प्रचलित एलोपैथिक दवाओं की तरह साइड इफेक्ट्स नहीं होंगे। साथ ही, कम कीमत के कारण इसका उपलब्धता भी आसान होगी।वैज्ञानिकों ने चूहों पर सफलता के बाद दिल के रोग से गंभीर हालत में पहुंच चुके जानवरों पर शोध की तैयारी कर रहे हैं, इसके बाद ही वे इसे बाजार में उतारने की प्रक्रिया में शामिल होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इज़राइल-गाजा में संघर्षविराम के प्रस्ताव पर अमेरिका ने लगाया अड़ंगा, UN में किया विरोध

(एजेंसी):

अमेरिका ने इज़राइल और गाजा को नियंत्रित करने वाले फिलीस्तीनी चरमपंथियों के बीच संघर्षविराम के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का बुधवार को विरोध करते हुए कहा कि इससे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के युद्ध समाप्त करने के प्रयास बाधित हो सकते हैं। फ्रांस ने इस प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया है। इससे पहले अमेरिका चार बार उसके संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से प्रस्ताव जारी कराने के प्रयास उक्त कारण देते हुए ही विफल कर चुका था। राजनयिकों ने बताया कि सभी अन्य सदस्य देशों ने बयान का समर्थन किया है। प्रेस में बयान जारी करने के लिए सभी 15 सदस्य देशों की सहमति की आवश्यकता होती है लेकिन प्रस्ताव के लिए कम से कम नौ सदस्यों की 'हां' की जरूरत होती है। अमेरिका या अन्य चार स्थायी सदस्य देशों द्वारा 'वीटो' का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। फ्रांस सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उस प्रस्तावित प्रस्ताव पर बुधवार को अमेरिका के साथ ''बेहद गहन बातचीत'' हुई, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के राजनयिकों ने गाजा में संघर्ष विराम तथा वहां मानवीय मदद मुहैया कराने का अनुरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन के प्रवक्ता ने बाद में कहा, '' हम यह स्पष्ट कर चुके हैं कि हम हिंसा को समाप्त करने के लिए जारी राजनयिक प्रयासों का समर्थन करते हैं और ऐसी किसी कदम का समर्थन नहीं करेंगे जो, हमें लगता है कि ऐसे प्रयासों को कमजोर करेंगे।'' प्रवक्ता ने नाम उजागर ना करने की शर्त पर यह जानकारी दी। वहीं, व्हाइट हाउस ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की और कहा कि वह संघर्षविराम की दिशा में आज महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन नेतन्याहू ने कहा कि वह ''अभियान का मकसद पूरा होने तक उसे जारी रखने के लिए

प्रतिबद्ध हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि फ्रांस इस प्रस्तावित मसौदे को परिषद के सदस्यों को कब देगा या इस पर मतदान कब होगा, जिसके जवाब में अमेरिका 'वीटो' का इस्तेमाल कर सकता है। इज़राइल और फलस्तीन के बीच बीते 10 दिन से चल रही भीषण लड़ाई बुधवार को भी जारी रही। इज़राइल ने बुधवार को गाजा पर हवाई हमले जारी रखे, जबकि फलस्तीनी उग्रवादियों ने भी इज़राइल पर दिन भर रॉकेट दागे। इस बीच, लेबनान से भी उत्तरी इज़राइल में रॉकेट दागे गए।

कोरोना संकट पर बोले अमेरिका के शीर्ष नेता- दुनिया आज भारत के लिए कर रही दुआ

वाशिंगटन (एजेंसी):

अमेरिका के शीर्ष नागरिक अधिकार नेता जेसी जैक्सन ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत और उसके लोगों के लिए दुआ कर रही है। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि महात्मा गांधी का देश इस महामारी के खिलाफ लड़ाई जीत जाएगा। शिकागो के रहने वाले नागरिक अधिकार नेता जेसी जैक्सन भारत को छह करोड़ एस्ट्राजेनेका टीके देने का बाइडन प्रशासन से अनुरोध करने के लिए यहां आए थे। वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में बुधवार को जैक्सन ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस दोनों के समक्ष इस मुद्दे को उठाया। भारत के लोगों के प्रति एकजुटता जताते हुए उन्होंने कहा, 'आज पूरी दुनिया भारत के लिए दुआ कर रही है।'' उन्होंने कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित भारत और अन्य देशों के लिए और निधि जुटाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''हमें दुनिया के लिए और टीके मांगने चाहिए। हमें अभी श्वास यंत्रों, दवाओं और टीकों की आवश्यकता है।'' भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रतिष्ठित नेता डॉ. भारत बराई ने इस पहल के लिए जैक्सन का आभार जताया। उन्होंने कहा, ''टीकाकरण सबसे सही और सबसे महत्वपूर्ण चीज है। इससे न केवल लोगों की जान बचेगी बल्कि यह अर्थव्यवस्था को भी गिरने से रोकेगा।''

ICU में ब्रिटिश PM जॉनसन की देखभाल करने वाली नर्स ने दिया इस्तीफा, सरकार पर लगाया आरोप

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद ICमें उनकी देखभाल करने वाली नर्स ने इस जानलेवा महामारी से निपटने के सरकार के तरीके की आलोचना करते हुए इस्तीफा दे दिया है। साथ ही उसने कहा कि नर्सों को वह ''सम्मान'' और ''तनख्वाह'' नहीं मिल रही है जिसकी वे हकदार हैं। मूल रूप से न्यूजीलैंड की रहने वाली जेनी मैक्गी ने कहा कि इस महामारी से ब्रिटेन में 120,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई और यह उनके करियर का सबसे मुश्किल साल साबित हुआ है। उन्होंने 'द ईयर ब्रिटेन स्टॉप्ड' शीर्षक वाली चैनल 4 की डॉक्यूमेंट्री में कहा, ''हमने अपनी जान झोंक दी और कड़ी मेहनत से काम किया तथा इस बारे में काफी बातें हुई कि कैसे हम सभी हीरो हैं। लेकिन साथ ही मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर सकती हूं। मुझे नहीं पता कि मैं एनएचएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा) को कितना कुछ दे सकती हूं।'' बीबीसी द्वारा बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में मैक्गी के हवाले से कहा गया, ''हमें सम्मान और अब तनख्वाह नहीं मिल रही है जिसके हम हकदार हैं। मैं इससे परेशान हो गई है इसलिए मैंने अपना इस्तीफा दे दिया है।'' सरकार ने इस साल ह्वास्र कर्मियों के लिए एक प्रतिशत की वेतन बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव दिया है। मैक्गी ने कहा कि ''कई नर्सों'' का मानना है कि सरकार ने ''बहुत प्रभावी कदम नहीं उठाए'' और अनिश्चितता की स्थिति रही। यह कार्यक्रम 24 मई को प्रसारित होगा। ब्रिटेन में कोरोना वायरस से अभी तक 4,468,366 लोग संक्रमित हो चुके हैं और 127,956 लोगों को जान गंवानी पड़ी। जॉनसन गत मार्च में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। यहां सेंट थॉमस अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उन्होंने मैक्गी और एक नर्स लुइस पिटर्मा की उनकी देखभाल करने के लिए तारीफ की थी।

पाकिस्तान में राजमार्ग पर बस पलटने से 13 लोगों की मौत, 32 लोग घायल

पेशावर:

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बृहस्पतिवार को राजमार्ग पर तेज रफ्तार से जा रही एक बस के पलटने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार, सिंध प्रांत के सुक्कुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर यह हादसा हुआ। खबर के अनुसार, बस मुल्तान से कराची जा रही थी। हादसे के दौरान अधिकतर यात्री सो रहे थे। कई घायलों की हालत गंभीर है। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बस में फंसे सभी यात्रियों को निकाल लिया गया है। उसके अनुसार, स्थानीय लोगों के यात्रियों को बाहर निकालने के बाद बस को भी 'क्रेन' की मदद से सीधा किया गया। खराब बुनियादी ढांचे और यातायात कानूनों की अवहेलना के कारण पाकिस्तान में ऐसे कई सड़क हादसे होते हैं।

फिर विवादों में नेपाल के प्रधानमंत्री ओली, इस मामले को लेकर हो रही जमकर आलोचना

(एजेंसी)।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को प्रचार थमने के बाद 'नेशनल असेंबली' के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगकर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा रहा है। निर्वाचन आयोग ने अप्रत्यक्ष तौर पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ओली ने 'नेशनल असेंबली' उप-चुनाव में बागमती से उम्मीदवार एवं गृहमंत्री राम बहादूर थापा के लिए बृहस्पतिवार को वोट मांगकर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया।

निर्वाचन आयोगने किया आगाह

'मायरिपब्लिका डॉट कॉम' की खबर के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने आगाह भी किया कि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने कहा कि उसकी चेतावनी के बाजवूद कुछ लोग चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। कुछ मीडिया घरानों ने भी विजेता कौन होगा उसका अनुमान लगा और लोगों के साक्षात्कार लेकर आचार संहिता का उल्लंघन किया है।

ओली के खिलाफ हो सकती है कार्रवाई

निर्वाचन आयोग ने कहा कि वह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले लोगों और संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई करेगा। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली ने थापा के लिए वोट करने की अपील करते हुए कहा था कि उनकी जीत से कम्युनिस्ट अभियान को मजबूती मिलेगी। ओली ने यह भी कहा था कि पार्टी के प्रतिनिधि, जिन्होंने पार्टी के हित की रक्षा करने का संकल्प किया है वे थापा के अलावा किसी और को वोट ना दें। नेपाली कांग्रेस (एनसी) और सीपीएन-माओवादी सेंटर ने भी ओली के थापा के लिए वोट मांगने की निंदा की है।

चीन ने दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी नौसेना की गतिविधि पर फिर जताई आपत्ति

बीजिंग।

चीन ने गत कुछ दिनों में बृहस्पतिवार को दूसरी बार इलाके में अमेरिकी नौसेना की गतिविधि का विरोध किया है। इस पर अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े ने भी असामान्य तरीके से जवाब देते हुए चीन पर गैर कानूनी तरीके से पड़ोसी देशों की कीमत पर समुद्री अधिकार प्राप्त करने की कोशिश का आरोप लगाया है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की दक्षिणी कमान ने एक बयान में कहा कि निर्देशित मिसाइलों से लैस अमेरिकी विध्वंसक यूएसएस कर्टिस विल्बर ने बृहस्पतिवार को दक्षिण चीन सागर के पारासेल द्वीपसमूह इलाके में ' गैर कानूनी' तरीके से उसकी जलीय सीमा में प्रवेश किया। बयान के मुताबिक, चीनी बल ने अपनी पीछा करने वाली और निगरानी प्रणाली को सक्रिय किया और पोत को 'चेतावनी देकर बाहर किया।' बता दें कि पारासेल द्वीपों पर वियतनाम भी अपना दावा करता है। चीन ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह क्षेत्रीय सुरक्षा, गलतफहमी, गलत आकलन और समुद्र में दुर्घटना के खतरे को बढ़ा रहा है। पीएलए ने अमेरिकी पोत के आने को 'गैर पेशेवर और गैर जिम्मेदाराना' करार दिया। चीन ने कहा कि वह देश के संप्रभुता दावे की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है, साथ ही दक्षिण चीन सागर में शांति और स्थिरता भी कायम रखना चाहता है। गौरतलब है कि अमेरिका चीन के पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावे को अस्वीकार करता है और नियमित रूप से इलाके में उसके पोत अंतरराष्ट्रीय सीमा में कथित स्वतंत्र नौवहन अधिकार को स्थापित करने के लिए जाते हैं। चीन के आरोपों पर लंबे चौड़े जवाब में अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े ने कहा, ''यह अभियान सामान्य आवाजाही पर गैर कानूनी रोक को चुनौती देने, अतंरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्र के कानूनी इस्तेमाल,अधिकार और स्वतंत्रता को बहाल करने के लिए था।''अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के बयान में कहा गया है, ''मिशन के बारे में पीएलए का बयान गलत है। यूएसएस कर्टिस विल्बर को किसी देश के क्षेत्र से निष्कासित नहीं किया गया।'' अमेरिका ने कहा, '' यूएसएस कर्टिस विल्बर ने इस स्वतंत्र नौवहन अभियान को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अंजाम दिया है और वह अंतरराष्ट्रीय जल सीमा में ऐसे सामान्य अभियान को जारी रखेगा।''

न्यूजीलैंड में महामारी के दौरान भेदभाव और नस्लवाद बढ़ा

वेलिंगटन।

इस साल फरवरी तथा मार्च में किए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण में सामने आया है कि न्यूजीलैंड में कोविड-19 महामारी के दौरान नस्लवाद की घटनाएं बढ़ी हैं। माओरी, पैसिफिक और एशियाई मूल के लोगों को नस्लवाद का अनुभव ज्यादा हुआ है और इनमें से आधे का कहना है कि एक तिहाई यूरोपीय न्यूजीलैंड वासियों के मुकाबले उनके साथ नस्लवाद अधिक है। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 1,083 लोगों में से आधे से अधिक (52 प्रतिशत) का कहना है कि नस्लवाद पहले के जैसा ही है और 7 प्रतिशत ने इसे कम बताया।कोरोना वायरस महामारी से एशियाई लोगों के प्रति घृणा की भावना बढ़ी है। साथ ही जातीय अल्पसंख्यकों पर इस बीमारी का काफी असर पड़ा है और कई लोगों की मौत हुई है। अल्पसंख्यक जातीय समूहों में मृत्यु दर ब्रिटेन में श्वेत आबादी के मुकाबले दो या उससे अधिक गुना ज्यादा है। न्यूजीलैंड में माओरी और पैसिफिक लोगों की कोविड-19 के कारण करीब दो गुना अधिक मौतें हुई हैं। हर पांच में करीब दो लोगों ने कहा कि उन्होंने देखा है कि लोग दूसरे लोगों को वे कैसे दिखते या कैसी अंग्रेजी बोलते हैं, इसके कारण भेदभाव करते हैं। करीब एक चौथाई लोगों ने अपनी जातीयता के कारण भेदभाव का अनुभव साझा किया जिसमें सरकारी विभागों, कार्य स्थलों तथा स्वास्थ्य देखाभाल सेवाएं लेते समय हुआ भेदभाव शामिल है। एशियाई मूल के लोगों ने नौकरी के लिए आवेदन देते वक्त, कार्य स्थल पर और खरीददारी के लिए जाते या रेस्त्रां जाते वक्त अधिक भेदभाव का सामना किया।

श्रीलंका में बढ़ा वैश्विक महामारी का खतरा, अगले 10 दिनों तक बैन हुई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

इंटरनेशनल डेस्क।

श्रीलंका सरकार ने देश में वैश्विक महामारी के प्रसार को रोकने के अपने प्रयासों के तहत शुक्रवार से अगले 10 दिनों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्री विमानों की, देश में आने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी है। द्वीप देश में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के सर्वाधिक मामले सामने आए थे और मौतें हुईं थी। श्रीलंका के नागर विमानन प्राधिकरण (सीएएएसएल) ने बुधवार को कहा कि उड़ानों पर रोक 21 मई की मध्यरात्रि से लेकर 31 मई की मध्यरात्रि तक प्रभावी रहेगी। प्राधिकरण ने कहा कि जिन यात्रियों को देश से बाहर जाना है उन्हें अन्य अंतरराष्ट्रीय पारगमन विमानों (12 घंटे से कम के ठहराव समय के साथ) से और देश से उड़ान भरने वाले विमानों से इस अवधि के दौरान बाहर जाने की इजाजत होगी। कोलंबो पेज समाचार पोर्टल ने खबर दी कि विमानन प्राधिकरण ने इस प्रतिबंध में चार रियायतों की सूची जारी की है, मत्तला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा और बंडारानाइके अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की तरफ आपातकालीन विमानों का मार्ग परिवर्तन, मालवाहक संचालन और मानवीय उड़ानें, तकनीकी कारणों से विमानों का उतरना और यात्री रहित विमानों को देश में आने की अनुमति होगी। पूर्व में जो घोषणा हुई थी,उसके अनुरूप श्रीलंका शुक्रवार (21 मई) से यात्रा प्रतिबंधों के माध्यम से निरंतर लॉकडाउन की तरफ लौटेगा। आवागमन पर प्रतिबंध 21 मई को रात 11 बजे से 25 मई को सुबह चार बजे तक लागू रहेंगे। यह 25 मई को रात 11 बजे से फिर से लागू हो कर 29 मई तक जारी रहेंगे। श्रीलंका में बुधवार को कोविड-19 के एक दिन में सर्वाधिक 3,623 मामले दर्ज किए गए थे। वहीं 36 लोगों की मौत के साथ मृतक संख्या भी सबसे अधिक दर्ज की गई थी।

एनएचएस की वैक्सीन पासपोर्ट सुविधा शुरू पर आंकड़ों में सेंधमारी को लेकर चिंताएं बढ़ीं

-एनएचएस के इस ऐप के पीछे और क्या-क्या चल रहा है, यह हर किसी को परेशान करने वाला है

लीसेस्टर।

इंग्लैंड के एनएचएस वैक्सीन पासपोर्ट की सुविधा शुरू हो गई है, इसी के साथ वायरस जांचों या लंबे समय तक पृथक-वास में रहने जैसे नियमों के बिना अंतरराष्ट्रीय यात्रा सुविधा का वादा भी पूरा होना शुरू हो जाएगा। लेकिन एनएचएस के इस ऐप के पीछे और क्या-क्या चल रहा है, यह परेशान करने वाला है। जोखिमों को जिम्मेदाराना ढंग से कम कर लिया गया है, लेकिन वैक्सीन पासपोर्ट निजता संबंधी एक नोटिस के साथ शुरू किया गया है जो ब्रिटेन सरकार द्वारा इस विवादित प्रौद्योगिकी को लागू करने का दावा करने वाली चेतावनी एवं देखभाल का खंडन करती मालूम होती है। इस साल की शुरुआत में, सरकार ने कहा था कि इसे जारी करने से पहले वैक्सीन पासपोर्ट को लेकर गहरे एवं जटिल मुद्दों को निपटे जाने की जरूरत है। सरकार के डेटा पर कब्जा करने करने और प्रौद्योगिकी के अनुचित अनुप्रयोगों को लेकर भयभीत आलोचक इस वादे से संतुष्ट थे कि वैक्सीन पासपोर्ट के प्रयोग पर पब एवं रेस्त्राओं में उनके प्रयोग को हटाने जैसी गंभीर सीमाबद्धताएं लगाई जाएंगी। इसके बावजूद नये ऐप सेवा के निजता नोटिस में यह नहीं दिखता है। वैक्सीन पासपोर्ट का घोषित मकसद कोरोना वायरस के समय में समाज को खोलने के लिए इसे अभिन्न अंग बनाना है लेकिन यह गंभीर निगरानी एवं भेदभाव की चिंताओं को साथ ला रहा है। परिवहन मंत्री ग्रांट शाप्स ने 28 अप्रैल को अनौपचारिक घोषणा की थी कि एनएचएस ऐप- एनएचएस कोविड-19 ऐप नहीं- अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए वैक्सीन पासपोर्ट के तौर पर भी काम करेगा। ऐप इंस्टाल करने पर उपयोगकर्ता ने पाया कि ऐप को पहले से ही उनके कोविड-19 टीके की पहली खुराक के बारे में पता था और उसके अलावा उनके 15 वर्षों तक के सभी चिकित्सकीय पर्चियां वह पर सूचीबद्ध थी- ऐसी सूचनाएं जो वह सीमा नियंत्रण पर सामान्य स्थिति में साझा नहीं करना चाहेंगे यह ऐप बाद में खुद अपडेट हो गया जिसके बाद उसपर चेक योग कोविड-19 वैक्सीन रिकॉर्ड टैब आ गया जो स्क्रीन पर टीकाकरण की सूचना दर्शाता है।

इस सेवा का वेब संस्करण भी है जिसमें उपयोग की शर्तें एवं निजता नीति दर्ज है जो कई तरीके से आश्वस्त करने वाली मालूम होती है। लेकिन यह वैक्सीन पासपोर्ट की कार्य प्रणाली नहीं थी यह अब बदल गई है।

संक्षिप्त समाचार

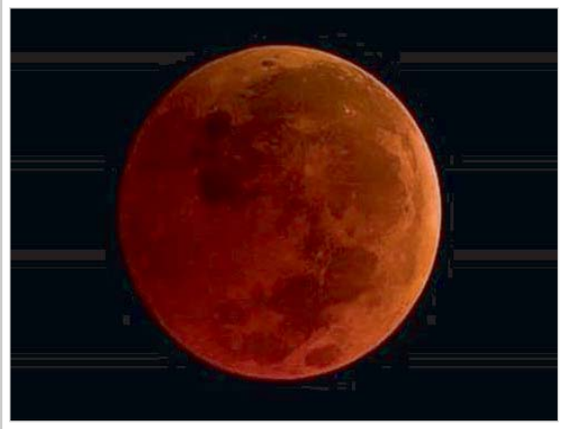

26 मई को नजर आएगा सुपर ब्लड मून, यहां देखने को मिलेगा खूबसूरत नजारा

नेशनल डेस्क। पूरब में 26 मई की शाम आसमान पर पूर्ण चंद्रग्रहण के ठीक बाद एक दुर्लभ विशाल एवं सुर्ख चंद्रमा (सुपर ब्लड मून) नजर आएगा। चंद्रमा धरती के आस-पास चक्कर लगाता हुआ कुछ पल के लिए धरती की छाया से गुजरेगा और पूरी तरह से इसपर ग्रहण लग जाएगा। इसके बाद सुपर ब्लड मून नजर आएगा। एम पी बिरला तारामंडल के निदेशक एवं प्रख्यात खगोल वैज्ञानिक देबीप्रसाद दुआरी ने बताया कि कोलकाता में आखिरी पूर्ण चंद्र ग्रहण 10 साल पहले, 10 दिसंबर 2011 को दिखा था। दुआरी ने कहा कि 26 मई की रात को, सूर्य, धरती और चंद्रमा इस तरह से एक सीध में होंगे कि धरती से यह पूर्ण चंद्रमा के रूप में नजर आएगा और कुछ समय के लिए इसपर ग्रहण भी लगा होगा। उन्होंने बताया कि पूर्वी एशिया, प्रशांत महासागर, उत्तरी एवं दक्षिण अमेरिका के ज्यादातर हिस्सों और ऑस्ट्रेलिया से पूर्ण चंद्र ग्रहण दिखाई देगा। चंद्रमा पर आंशिक ग्रहण दोपहर में करीब सवा 3 बजे शुरू होगा और शाम को 6 बजकर 22 मिनट पर समाप्त होगा। भारत के अधिकांश हिस्सों में, पूर्ण ग्रहण के दौरान चंद्रमा पूर्वी क्षितिज से नीचे होगा और इसलिए देश के लोग पूर्ण चंद्र ग्रहण नहीं देख पाएंगे। लेकिन कुछ हिस्सों में, अधिकतर पूर्वी भारत में लोग आंशिक चंद्र ग्रहण का आखिरी हिस्सा ही देख पाएंगे, वह भी पूर्वी आसमान से बहुत करीब, जब चंद्रमा निकल ही रहा होगा। उन्होंने कहा कि उस शाम, कोलकाता में चंद्रमा शाम सवा 6 बजे निकलेगा और दिलचस्पी रखने वाले लोगों को आंशिक चंद्रग्रहण की कुछ मिनट तक झलक मिलेगी जो 6 बजकर 22 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई के लोग ग्रहण नहीं देख पाएंगे।

इजराइल ने चीन हरकत पर उस सुनाई खरी-खरी

येरुशलम। इजरायल और फिलिस्- तीन के बीच शुरू हुई जंग को 10 दिन से अधिक का समय हो गया है। इस दौरान इजरायल की ओर से हमास के चरमपंथियों पर लगातार बमबारी की जा रही है। इस बीच इजरायल ने चीन की एक हरकत पर उस कड़ा संदेश देकर अपना विरोध दर्ज करवाया है। दरअसल चीन में इजरायल के दूतावास ने विदेशी चैनल द्वारा गाजा और दूसरे स्थानों पर जारी हिंसा पर चर्चा संबंधी कार्यक्रम में घोर यहूदी विरोध का आरोप लगाया है और इसके खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया है। इजरायली दूतावास ने इस लेकर एक ट्वीट भी किया है। इसमें उसने कहा है, हमने उम्मीद की थी कि दुनिया को यहूदियों द्वारा नियंत्रित करने जैसे षड्यंत्रकारी सिद्धांतों का दौर चला गया है, पर दुर्भाग्य से यहूदी विरोध एक बार फिर अपना घिनौना चेहरा लेकर सामने आ रहा है। इसके साथ ही ट्वीट में कहा गया है, चीन के एक आधिकारिक मीडिया संगठन द्वारा व्यक्त किए गए घोर यहूदी विरोध को देखकर हम स्तब्ध हैं। दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि दूतावास को अपने ट्वीट में कुछ और नहीं जोड़ना है और उस अब तक सरकारी चैनल से कोई जवाब नहीं मिला है। चीनी मीडिया ने सवाल उठाया था कि इजराइल के लिए अमेरिकी सहयोग क्या सचमुच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा, कुछ लोग मानते हैं कि अमेरिका की इजरायल की पक्षधर नीति में अमेरिका पर संपन्न यहूदियों का प्रभाव और अमेरिकी विदेश नीति निर्माताओं पर यहूदियों की लॉबी का प्रभाव दिखता है। यहूदियों का वित्त एवं इंटरनेट क्षेत्रों में वर्चस्व है।

कोविड वैक्सीन ने दुनिया के 9 लोगों को बनाया अरबपति

पेरिस । कोविड-19 की वैक्सीन टेक्नोलॉजी पर एकाधिकार नियंत्रण का विरोध कर रहे अभियान समूह ने चौकाने वाला खुलासा किया है। समूह ने कहा है कि कोविड वैक्सीन से मिले मुनाफे ने कम से कम 9 लोगों को अरबपति बना दिया है।सूची में मॉडर्ना के सीईओ स्टीफन बैंसेल और बायोएनटेक के उगुर साहिन शीर्ष पर हैं।वैक्सीन पर प्रॉपर्टी राइट्स और पेटेंट को लेकर लंबे समय से बहस जारी है। द पीपुल्स वैक्सीन अलायंस ने बयान जारी किया है, इनके बीच, नौ नए अरबपतियों के पास 19.3 बिलियन डॉलर की संयुक्त संपत्ति है, जो कम आय वाले देशों में सभी लोगों को 1.3 गुना पूरी तरह से टीकाकरण करने के लिए पर्याप्त है। समूह ने दावा किया है कि उनकी तरफ से जारी आंकड़े फोर्ब्स की सूची से लिए गए हैं।गठबंधन में शामिल चैरिटी ऑक्सफैम की एना मैरियट कहती हैं, ये अरबति वैक्सीन पर एकाधिकारी से बड़ा मुनाफा कमा रही कंपनियों के इंसानी चेहरे हैं। इसके अलावा गठबंधन ने कहा है कि पहले से अरबपतियों की संयुक्त संपत्ति भी वैक्सीन कार्यक्रमों की वजह से 32.2 बिलियन डॉलर बढ़ गई है। इन आंकड़ों के आकलन में मदद करने वाले लोगों ने कहा हमारे पास जो असरदार वैक्सीन हैं, वे करदाताओं के मोटे भुगतान की देन हैं। इसके बाद यह बिल्कुल जायज नहीं होगा कि एक व्यक्ति कमाई कर रहा है।जबकि, दूसरी और तीसरी लहर का सामना करोड़ों लोग पूरी तरह असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, जब भारत में हर रोज हजारों लोग मर रहे हैं, तब बड़ी फार्मा कंपनियों के अरबपतियों के हितों को लाखों लोगों की जरूरत के आगे रखना... बिल्कुल अस्वीकार्य है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बजट

आंध्र प्रदेश का बजट कल्याण और विकास पर है केंद्रित

अमरावती (एजेंसी)।

आंध्र प्रदेश के वित्तमंत्री बुगना राजेंद्रनाथ ने वर्ष 2021-22 के लिए 2,29,779 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ बजट पेश किया। विकास के साथ कल्याण प्राथमिकताओं को मिलाकर 27 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वित्तवर्ष 2021-22 के परिव्यय में पहली बार 47,283.21 करोड़ रुपये का जेंडर बजट और 16,748.47 करोड़ रुपये का बाल बजट शामिल है। वित्तमंत्री ने अपना लगातार तीसरा बजट पेश करते हुए कहा कि शेर का हिस्सा सामाजिक कल्याण के लिए है, इसके बाद कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्रों के साथ-साथ वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं के अनुरूप जल संसाधन क्षेत्र भी हैं। राजस्व व्यय 1.82 लाख करोड़ रुपये आंका गया है, जबकि पूंजीगत व्यय 31,198.38 करोड़ रुपये अनुमानित है। अनुमानित राजस्व घाटा लगभग 5,000.05 करोड़ रुपये है, जबकि राजकोषीय घाटा लगभग 37029.79 करोड़ रुपये है। कल्याण क्षेत्र के अलावा, जिसे सबसे अधिक आवंटन मिला है, वह है कृषि। इस क्षेत्र को 11,210.80 करोड़ रुपये, चिकित्सा और स्वास्थ्य को 13,830.44 करोड़ रुपये और जल संसाधन को 13,237.78 करोड़ रुपये दिए गए हैं। मंत्री के कन्नबाबू द्वारा पेश किए गए 31,256.55 करोड़ रुपये के कृषि बजट में, 11,210 करोड़ रुपये या कुल आवंटन का 13.6 प्रतिशत, कृषि योजनाओं के लिए आवंटित किया गया है, जिसमें वाईएसआर रायतु भरोसा, वाईएसआर-पीएम सफल भीम योजना, कृषि मशीनीकरण पर उप मिशन, मूल्य स्थिरीकरण फंड, वाईएसआर कृषि परीक्षण प्रयोगशालाओं, किसानों और अन्य को अनुग्रह राशि देने का प्रावधान शामिल है। मनरेगा कार्यों के लिए 8,116.16 करोड़ रुपये आवंटित किए गए और कृषि बजट में 2,000 करोड़ रुपये आपदा प्रबंधन कोष और सिंचाई के लिए 13,238.78 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। चलू वित्तवर्ष में अनुसूचित जाति के लिए उपयोजना पर 17,403.14 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजाति के लिए 6,131.24 करोड़ रुपये, बीसी के लिए 28,237.65 करोड़ रुपये और अल्पसंख्यकों के लिए 3,840.72 करोड़ रुपये, कापू कल्याण के लिए 3,306 करोड़ रुपये और ईबीसी कल्याण के लिए 5,478 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

आंध्र प्रदेश के बजट में अल्पसंख्यक कार्य योजना के लिए 3,840 करोड़ रुपये का प्रावधान

अमरावती (एजेंसी)।

आंध्र प्रदेश के वित्तमंत्री बुगना राजेंद्रनाथ रेड्डी ने गुरुवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए राज्य का बजट पेश किया, जिसमें पिछले बजट 2,24,789.18 करोड़ रुपये की तुलना में इस साल 2,29,779.27 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इस साल के बजट में पिछड़े वर्गों के लिए आवंटन में 32 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, इस उद्देश्य के लिए 28,237 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। कापू और ब्राह्मण जैसे विभिन्न सामाजिक समूहों के लिए आवंटन के साथ, बजट में अल्पसंख्यक कार्य योजना के लिए 3,840.72 करोड़ रुपये भी निर्धारित किए गए, जिसमें पादरी प्रोत्साहन के लिए 40 करोड़ रुपये शामिल हैं। बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के लिए रखा गया है, जिसमें मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की योजनाओं ने 2019 के विधानसभा चुनावों में उनके सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त किया था। इस वर्ष के बजट में बच्चों के लिए 16,748 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है, जबकि महिला विकास कार्यक्रमों के लिए 47,284.21 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कृषि योजनाओं के लिए 11,210 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि 24,624 करोड़ रुपये शिक्षा के लिए निर्धारित किए गए हैं। ऊर्जा क्षेत्र के लिए 6,637 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवा क्षेत्र के लिए कुल 13,830 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं, जिसमें कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए 1,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। सत्र का बहिष्कार करने वाली विपक्षी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने गुरुवार और शुक्रवार को नकली विरोध प्रदर्शन करने का इरादा किया है।

स्टालिन ने तिरुपुर में 18-44 आयु वर्ग के लिए वैक्सीन अभियान शुरू किया

चेन्नई (एजेंसी)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने गुरुवार को तिरुपुर में 18 से 44 आयु वर्ग के लोगों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया। कार्यक्रम का आयोजन नेताजी अपैरल पार्क में किया गया। विभिन्न परिधान इकाइयों के लगभग 20 श्रमिकों को वहां स्वास्थ्य अधिकारियों की एक टीम द्वारा टीका लगाया गया था। मुख्यमंत्री ने कोविड-19 पर अंकुश लगाने के लिए जिले में उठाए गए कदमों पर तिरुपुर के जिला कलेक्टर के. विजयकार्तिकेयन के साथ भी विस्तृत चर्चा की। तिरुपुर के कई उद्योगपतियों और व्यापारियों ने कोविड की रोकथाम और सुरक्षा उपायों के लिए मुख्यमंत्री जन राहत कोष (सीएमपीआरएफ) में दान दिया है। सीएमपीआरएफ को अब तक 2.6 करोड़ रुपये दान और योगदान के रूप में प्राप्त हुए हैं।

केरल के 140 विधायक शुक्रवार को लेंगे शपथ

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

केरल के 140 नवनिर्वाचित विधायक शुक्रवार को दक्षिणी राज्य की 15 वीं विधानसभा में आधिकारिक रूप से शामिल होने की शपथ लेंगे।नई पिनराई विजयन कैबिनेट के बारे में फैसला गुरुवार को होने वाली अपनी पहली बैठक के दौरान किया जाएगा। उसके तुरंत बाद केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान द्वारा नव-निर्वाचित सरकार को शपथ दिलाई जाएगी।शपथ को प्रो-टर्म स्पीकर द्वारा पढ़ा जाएगा। शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री विजयन और उनके 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल खान के आधिकारिक आवास पर जाएंगे, जो एक चाय पार्टी की मेजबानी करेंगे, जिसके बाद वे पहली कैबिनेट बैठक के लिए राज्य सचिवालय पहुंचेंगे।शनिवार को विधानसभा 15वीं केरल विधानसभा के लिए अध्यक्ष का चुनाव करने के लिए फिर से बैठक करेगी और सत्ताधारी वामपंथियों के 99 विधायकों और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के सिर्फ 41 विधायकों के साथ चुनाव केवल एक औपचारिकता होगी। माकपा ने दो बार के पूर्व लोकसभा सदस्य एम.बी राजेश अध्यक्ष पद के लिए नाम दिया है।

केजरीवाल सरकार ने आजतक दिल्ली के किसानों को क्यों नहीं दी मान्यता : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार को किसानों के मुद्दे पर घेरा है। भाजपा ने सवाल उठाया है कि आखिर आज तक दिल्ली में किसानों को किसानी की मान्यता क्यों नहीं मिली, जिससे उन्हें केंद्र सरकार की तमाम सुविधाओं नहीं मिल रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष आदेश कुमार गुप्ता ने कहा, मोदी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनके कल्याण के लिए सदैव से प्रतिबद्ध है। केजरीवाल सरकार किसान विरोधी है, जिसने आजतक दिल्ली के किसानों को किसान की मान्यता तक नहीं दी जिस कारण यहां के किसान को केन्द्र सरकार की ओर से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता। प्रदेश अध्यक्ष आदेश कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में केंद्र सरकार को सब्सिडी के मद में 14,775 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च कर किसानों को भारी राहत देने का काम किया है। डीएपी की प्रति बोरी पर अब 500 रुपये के स्थान पर 1,200 रुपये की सब्सिडी मिलेगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में वृद्धि होने पर भी किसानों को डीएपी की एक बोरी 2,400 रुपये की जगह 1,200 रुपये में ही मिलेगी। प्रदेश अध्यक्ष आदेश कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री को किसानों की हर समय चिंता रहती है ये उनके इस फैसले से स्पष्ट है। किसानों के हित में मोदी सरकार द्वारा लिए गए एक और ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत है। मोदी जी की ओर से डीएपी खाद पर सब्सिडी 140 प्रतिशत बढ़ाई गई जिससे देश भर के किसान लाभान्वित होंगे।

आज तक ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री की कितनी बैठकों में भाग लिया : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि कोरोना की इस लड़ाई में प्रधानमंत्री रोज मेहनत कर रहे हैं,कभी देश के लोगों से चर्चा करके,कभी अधिकारियों से,डॉक्टरों, मुख्यमंत्रियों,उद्योगपति से चर्चा करते हैं। तब ममता बनर्जी की ओर से इस प्रकार का आचरण बहुत पीड़ादायक है। हमें राजनीति से ऊपर उठकर एक स्वर में जनता की चिंता करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा, मैं ममता बनर्जी से पूछना चाहता हूं कि अगर भारत के प्रधानमंत्री भारत के सभी जिला अधिकारियों से उनके जिले में जो अच्छे काम किए हैं उनकी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तो उसे ममता जी को क्या परेशानी है? कौन से जिले में शासन किस राजनीतिक रंग का है इससे मोदी जी को मतलब नहीं है। रविशंकर प्रसाद ने कहा, आज तक ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री की ओर से आहूत कितनी बैठकों में भाग लिया है? 17 मार्च को प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई थी वहां ममता नहीं थी। इसके अलावा चाहे इंफ्रास्ट्रक्च र हो लैंड बिल हो नीति आयोग की गवर्निंग बॉडी की बैठक हो किसी में भी भाग नहीं लिया है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आज ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के जिले के जिलाधिकारी को बोलने नहीं दिया और कहा कि डीएम क्या जानते हैं, मैं उनसे अधिक जानती हूं। यह एक मुख्यमंत्री की ओर से प्रधानमंत्री की बुलाई गई मीटिंग में ऐसा अशोभनीय आचरण बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

यूपी में 2021-22 के सत्र में स्कूलों में नहीं होगी फीस वृद्धि- उपमुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)।

कोरोना संकट के कारण काफी समय से बाधित चल रही शिक्षा और शैक्षणिक सत्र के बीच में गुरुवार को योगी आदित्यनाथ सरकार ने अभिभावकों तथा छात्र-छात्राओं को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने फैसला लिया है कि प्रदेश के किसी भी विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021-22 में फीस वृद्धि नहीं होगी। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि विद्यालय शैक्षणिक सत्र 2021-22 में पिछले वर्ष की भांति उसी शुल्क संरचना के हिसाब से शुल्क ले सकेंगे जो वर्ष 2019-20 में लागू की गई थी। अगर किसी स्कूल ने बढ़ी हुई शुल्क संरचना के हिसाब से फीस ले ली है तो इस बढ़ी हुई फीस को आगे के महीनों की फीस में समायोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि विद्यालय बन्द रहने की अवधि में परिवहन शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा अगर किसी छात्र अथवा अभिभावक को तीन माह का अग्रिम शुल्क जमा करने में किसी प्रकार की परेशानी आ रही है तो उनके अनुरोध पर उनसे मासिक शुल्क ही लिया जाए। इस स्थिति में उन्हें तीन माह का अग्रिम शुल्क देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकेगा। डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि कोविड के चलते कई परिवार आर्थिक रूप से प्रभावित हुए हैं। विद्यालय भौतिक रूप से बंद हैं, लेकिन अधिकांश जगह पर ऑनलाइन पठन पाठन कार्य जारी है। यह आदेश प्रदेश में संचालित सभी बोडरें के सभी विद्यालयों पर लागू होगा। सरकार ने कोरोना महामारी के चलते पैदा हुई परिस्थितियों को देखते हुए प्रदेश में संचालित सभी बोडरें के सभी विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए शुल्क वृद्धि पर रोक लगा दी है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए सरकार ने एक ऐसा संतुलित निर्णय किया है जिससे कि आम जनमानस पर अतिरिक्त भार न पड़े। डॉ. शर्मा ने बताया कि जब तक विद्यालयों में भौतिक रूप से परीक्षा नहीं हो रही है तब तक परीक्षा शुल्क भी नहीं लिया जा सकेगा। इसी प्रकार से जब तक क्रीड़ा, विज्ञान प्रयोगशाला, लाइब्रेरी, कम्प्यूटर, वार्षिक फंक्शन जैसी गतिविधियां नहीं हो रही हैं, उनका शुल्क भी नहीं लिया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने कोरोना काल में पूरी संवेदनशीलता के साथ यह निर्णय भी किया है कि अगर कोई छात्र अथवा छात्रा अथवा उनके परिवार का कोई सदस्य कोरोना से संक्रमित है और उन्हे फीस देने में परेशानी हो रही है तो सम्बन्धित छात्र अथवा छात्रा के लिखित अनुरोध पर उस माह का शुल्क अग्रिम महीनों में मासिक किश्त के रूप में समायोजित किया जाएगा।

कोविड-19 ने सिखाया है कि तैयारियों की लागत महामारी के प्रभाव का केवल एक अंश है,

तैयारियों की लागत महामारी के प्रभाव का केवल एक अंश होती है : हर्ष वर्धन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्ष वर्धन ने कहा कि कोविड-19 ने सिखाया है कि तैयारियों की लागत महामारी के प्रभाव का केवल एक अंश है, लेकिन इस निवेश पर प्रतिफल बहुत अधिक है। मंत्री ने बुधवार को कोविड-19 महामारी : डब्ल्यूएचओ पूर्वी भूमध्य क्षेत्र में स्वास्थ्य सुरक्षा और शांति के लिए एक आह्वान पर एक सम्मेलन में अपने वर्चुअल संबोधन के दौरान स्वास्थ्य सेवा के विभिन्न पहलुओं पर देशों के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। हर्ष वर्धन ने कहा, हमें स्वीकार करना चाहिए कि वैश्विक संकट के ऐसे समय में, जोखिम प्रबंधन और शमन दोनों को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य में रुचि और निवेश को फिर से सक्रिय करने के लिए वैश्विक साझेदारी को और गहरा करने की जरूरत होगी। उन्होंने नोवल कोरोनवायरस के एक साल के प्रभाव पर फिर से विचार करते हुए कहा कि इस बीमारी को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया गया था। मंत्री ने कहा, हमें अपने संसाधनों को पूल करके एक-दूसरे की क्षमता को पूरक करके दुश्मन पर विजय प्राप्त करने की भी आवश्यकता है। एक महत्वपूर्ण सबक कोविड-19 ने हमें सिखाया है कि तैयारी में एक महामारी के प्रभाव का केवल एक अंश खर्च होता है, लेकिन इस निवेश पर रिटर्न घातीय है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस महामारी ने जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया, जैसा कि हम जानते थे, लेकिन हम सभी को भविष्य के लिए अधिक लचीला और बेहतर तैयार होने के लिए एक तीव्र सीखने की अवस्था भी प्रदान की।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में मंत्री के हवाले से कहा गया, लेकिन हम सभी को समझना और सहमत होना चाहिए, साझा चुनौतियों से केवल साझा प्रयासों से ही पार पाया जा सकता है। कोई भी देश साइलो में तैयार या सुरक्षित नहीं रह सकता है। मंत्री ने कहा कि भारत की संघीय संरचना और उसके बाद की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली ने व्यापक विविधता के कारण विभिन्न चुनौतियों का सामना किया है जो पूरे देश में व्याप्त है।

बयान के अनुसार, मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का महामारी प्रबंधन केंद्रीकृत निगरानी पर आधारित था, लेकिन एक विकेंद्रीकृत कार्यान्वयन दृष्टिकोण पर आधारित था।

भारत ने महामारी की प्रभावी निगरानी के लिए वायरस के खिलाफ लड़ाई में चपलता बढ़ाने और प्रयासों को बढ़ाने के लिए केंद्रीय स्तर के साथ-साथ राज्य स्तर पर एक डिजिटल रूप से सक्षम कोविड वार रूम की स्थापना की। हर्ष वर्धन ने कहा, कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का केंद्रीकृत प्रशिक्षण था और कोविड-19 के बारे में गलत धारणाओं को कम करने और कोविड के उचित व्यवहार के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न माध्यमों के माध्यम से जनता को प्रमाणित जानकारी का निरंतर प्रसार करना था।

संक्षिप्त समाचार

सोनू सूद, कुमार विश्वास ने आओ गांव बचाएं अभियान को दिया समर्थन

राय बरेली। हास्य कवि और व्यंग्यकार पंकज प्रसून द्वारा शुरू किए गए आओ गांव बचाएं अभियान का समर्थन करने के लिए बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद और कवि कुमार विश्वास आगे आए हैं। अभियान के तहत रायबरेली जिले के छह ग्राम पंचायत प्रखंडों के 30 गांवों के निवासियों को कोविड केयर सेंटरों में ऑक्सीजन सहायता के साथ कोविड दवाएं, ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर और राशन किट उपलब्ध कराई जाएंगी।पंकज प्रसून के मुताबिक, मैंने सोनू सूद और कुमार विश्वास को अपने ट्वीट में ग्रामीण जनता के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स की मांग करते हुए टैग किया। कुमार विश्वास ने इसे रीट्वीट करते हुए कहा, सोनू सूद, कृपया गरीबों के लिए तीन ऑक्सीजन कंसंटेटर भेजो वरना मैं गाजियाबाद से व्यवस्था करूंगा।कुछ ही मिनटों में सोनू सूद ने ट्वीट किया, निश्चित रहें, यह पहुंच जाएगा! बस मुझे अपना पता भेजें। उन्होंने कहा कि मैं एक व्यस्त बॉलीवुड अभिनेता को पांच मिनट के भीतर हमारे ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए देखकर हैरान था। रायबरेली में केवल 3 अस्पताल है और अन्य अस्पतालों में लंबी कतार है जो या तो एल 1 या एल 2 हैं। जीवन बचाने में ऑक्सीजन के महत्व को महसूस किया गया है। इसलिए ये ऑक्सीजन सांद्रक ग्रामीण जनता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होंगे। प्रसून ने कहा, मैं 7 अप्रैल को कोविड सकारात्मक हो गया और तब मुझे एहसास हुआ कि कोविड का इलाज करना कितना मुश्किल है। ठीक होने के दौरान मैं सोचता रहा कि मैं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की मदद कैसे कर सकता हूं, और तभी मुझे ये विचार आया। उन्होंने कहा, सीमित संसाधनों के साथ हमने सहजौरा, लोहरा, रौला, डोमापुर, मुस्तफाबाद बेलहानी, मऊ गरवी, गोविंदपुर और मेरुई की छह ग्राम सभाओं का चयन किया है, जिसके तहत लगभग 32 गांवों को कवर किया जाएगा। हमने अधिकारियों से पंचायत भवनों और स्कूलों को कोविड देखभाल केंद्रों के रूप में इस्तेमाल करने को कहा है। जहां हम राशन किट, दवा किट, थर्मामीटर, ऑक्सीमीटर वितरित कर सकते हैं और ऑक्सीजन प्रदान कर सकते हैं। रायबरेली कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी का संसदीय क्षेत्र है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के 2 मददगार गिरफ्तार, 6 ग्रेनेड बरामद

श्रीनगर। जम्मू एवं कश्मीर पुलिस ने कुपवाड़ा जिले में आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से छह जिंदा ग्रेनेड बरामद किए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों की गतिविधि के संबंध में विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए जिले के मुख्य बाजार में एक विशेष जांच चौकी स्थापित की गई है। चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध लोगों ने तलाशी दल को देखकर मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन उनका तेजी से पीछा किया गया और उन्हें पकड़ लिया गया। उनकी पहचान जहांगीर अहमद हाजम और अब्दुल हमीद हाजम के रूप में हुई है, जो दोनों खावरपारा तंगधार के निवासी हैं। पुलिस ने कहा, तलाशी के दौरान उनके पास से छह जिंदा ग्रेनेड समेत आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

यूपी के ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत तेज फैल रहा संक्रमण : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) मुखिया मायावती ने ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रहे कोरोना केसों पर चिंता जताई है । उन्होंने कहा है कि यूपी के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना बहुत तेजी से लोगों को संक्रमित कर उनकी जान ले रहा है। उनके मुताबिक लोग जैसे-तैसे शवों का दाह संस्कार करने को मजबूर हैं। मायावती ने गुरूवार को ट्वीटर के माध्यम से लिखा यूपी के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना बहुत तेजी से लोगों को संक्रमित कर उनकी जान ले रहा है। लोग जैसे-तैसे उनका दाह संस्कार करने को मजबूर हैं। ऐसे उजड़े गरीब व बेसहारा परिवारों की हर प्रकार की मदद के लिए सरकार को तुरन्त घोषणाओं से आगे बढ़कर सक्रिय होना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा सरकारी दावे के अनुसार देश में कोरोना संक्रमण के केस कुछ कम हो रहे हैं जो थोड़ी राहत की बात है, लेकिन कोरोना से मौतों की संख्या बढ़ रही है। कारण चाहे कुछ भी हो, किन्तु यह अति-विषम व अति-दुःखद स्थिति है जिससे मुक्ति के लिए हर स्तर पर सभी प्रकार के ईमानदार प्रयास बहुत जरूरी है। इससे पहले उन्होंने लिखा था देश भर में कोरोना योद्धाओं के रूप में सम्मानित खासकर डाक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों की सेवाकाल के दौरान हो रही बीमारी व मृत्यु आदि के सम्बंध में सरकारों की घोर अनदेखी व उपेक्षा की खबरें अति-दुःखद। उनकी सुरक्षा आदि के बारे में सरकारों को पूरी तरह से गंभीर होने की सख्त जरूरत।

मप्र में जनता कर्फ्यू में 31 मई तक ढील नहीं : शिवराज

उज्जैन। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए 31 मई तक जनता कर्फ्यू जारी रहेगा। इसके बाद ही ढील मिलना संभव है। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उज्जैन संभाग के सभी जिलों एवं तहसील स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कही। चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश में हम कोरोना से जंग जीतने के निर्णायक दौर में पहुंच गये हैं। प्रदेश में पॉजीटिविटी दर लगातार कम होती जा रही है। रिकवरी रेट बढ़ रहा है। ऑक्सीजन बेड, आईसीयू बेड, रेमडेसिविर इंजेक्शन की पर्याप्त व्यवस्था है। ब्लैक फंगस का इलाज भी निशुल्क किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से कहा कि आने वाला समय कोरोना से जंग करने में निर्णायक साबित होगा। इसलिये आगामी 10 से 12 दिन तक जनता कर्फ्यू का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। 31 मई तक जनता कर्फ्यू में कोई ढील नहीं दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले में एक-एक पोस्ट कोविड केयर सेन्टर बनाया जाएगा। वर्तमान समय में कोरोना संक्रमण के बाद ब्लैक फंगस और खून के थक्के जमने के कई प्रकरण सामने आये हैं। हमें अब इस नये संकट से भी लड़ाई लड़नी है। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के कलेक्टर्स एवं क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से कहा कि वे कोरोना संक्रमण में अपने माता-पिता खो चुके अनाथ बच्चों की सूची बनायें और उन्हें भिजवायें, ताकि ऐसे बच्चों को हर महीने पांच हजार रुपये की राशि दी जा सके। इन बच्चों के लिये निशुल्क राशन एवं निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था शासन द्वारा की जायेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)